संलग्नक - 1 (106 पृष्ठ)

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया

'स्नातकोत्तर हिंदी' पाठ्यक्रम

(शैक्षणिक वर्ष *2018-2019* से प्रभावी)

भारतीय भाषा केन्द्र [1]

भाषा और साहित्य पीठ

[1] 'दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय' की अधिसूचना आने के बाद इस का परिवर्तित नाम '**हिन्दी-विभाग**' होगा। एतत्सम्बद्ध प्रस्ताव दिनांक 14-03-2018 को 'शैक्षणिक परिषद्' (ए.सी.) से पारित हो चुका है।

'दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय' का 'हिन्दी-विभाग' भाषा और साहित्य के अध्ययन-अध्यापन के साथ विद्यार्थियों में उच्चस्तरीय शोध-अभिरुचि विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भाषा और साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज की बहुआयामी सांस्कृतिक विविधताओं का अध्ययन करता है । यह साहित्य और समाज की उत्कृष्ट परंपराओं एवं विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए, रचनाशीलता के विकास तथा ज्ञान के नये अनुशासनों की रचना एवं उनमें परस्पर संवाद की ओर उन्मुख है। इसके साथ, यह विभाग बदलते वैश्विक परिदृश्य में नयी तकनीक एवं संचार की दिशा में अग्रसर होते हुए, भारतीय भाषाओं को रोजगारपरक बनाने के लिए भी प्रयासरत है। वर्तमान में इस विभाग में 'एम.ए. हिन्दी' और 'पी-एच.डी. हिन्दी' के पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

'विभाग' की भावी योजनाओं में 'भित्ति-पत्रिका' व 'शोध-पत्रिका' (छमाही) का प्रकाशन, विभागीय ब्लॉग व फ़िल्म-अभिलेखागार का निर्माण, 'मीडिया और रचनात्मक लेखन' विषय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स शुरू करना, साहित्यकारों और भाषाविज्ञानियों की स्मृति में व्याख्यानमाला का आरम्भ, पार्श्ववर्ती क्षेत्रों में लोक-साहित्य का सर्वेक्षण, समाज के वंचित समूहों से सम्बद्ध अध्ययन के लिए 'सावित्रीबाई फुले अध्ययन-पीठ' और 'हिंदी' व 'उर्दू' में दो शोध-पीठ स्थापित करना आदि शामिल हैं।

'स्नातकोत्तर हिंदी' ('एम.ए. हिन्दी') कार्यक्रम

संकल्पना और उद्देश्य :

वर्तमान में संचालित 'स्नातकोत्तर हिंदी' कार्यक्रम हिंदी भाषा और साहित्य में नवीन एवं मौलिक शोध में रुचि रखनेवालों के साथ उनके लिए भी उपयोगी है, जो अनुवाद, सर्जनात्मक लेखन, अखबार, टेलीविजन, सिनेमा और नये मीडिया में अपनी प्रतिभा का विनियोग करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम अध्यापक/अध्यापिका और विद्यार्थी के अंतःसंबंध, उनकी परस्पर-संदर्भित स्वायत्तता और अंतर-अनुशासनात्मकता के साथ विशेषज्ञता पर जोर देता है, इसलिए इसमें आधारभूत (अनिवार्य) पत्रों के साथ वैकल्पिक विषयों के अध्ययन-अध्यापन का भी प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य मौखिक एवं लिखित भाषिक दक्षता और विश्लेषण-क्षमता विकसित करने के साथ-साथ, हिन्दी-साहित्य को हिन्दीतर भारतीय साहित्य, विश्व-साहित्य तथा ज्ञान के विविध अनुशासनों के परिप्रेक्ष्य में समझना है। इस कार्यक्रम के प्रस्तुत पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थियों में साहित्य की विविधरूप आस्वादन-क्षमता का ही नहीं, बल्कि ज्ञान व जीवन के विविध आयामों में प्रयोग करने योग्य आलोचनात्मक विवेक का भी विकास सम्भव है। प्रस्तुत कार्यक्रम के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर ही विद्यार्थियों को शोध की दिशा में उन्मुख और प्रशिक्षित करना भी लक्ष्यीभूत है ।

शिक्षण-विधि :-

व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, समूह-चर्चा, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति, संगोष्ठी, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य आदि के ज़रिये कार्यक्रम के उक्त उद्देश्यों की उपलब्धि इस पाठ्यक्रम में लक्ष्यीभूत रखा गया है । इस प्रक्रिया में हिन्दी भाषा और साहित्य के प्राध्यापकों/प्राध्यापिकाओं के अलावा, आवश्यकतानुसार अन्य अनुशासनों के विशेषज्ञों से सम्पर्क या संवाद भी शामिल होंगे ।

पाठ्यक्रम की संरचना

[सी.बी.सी.एस. के अनुसार जुलाई, 2018 में विकसित]

कुल क्रेडिट -96 [आधारभूत वर्ग - 56, वैकल्पिक वर्ग – 40]

विश्वविद्यालय के नियमानुसार, **'स्नातकोत्तर हिन्दी'** कार्यक्रम के विद्यार्थी एक सेमेस्टर में न्यूनतम **20** और अधिकतम **32** क्रेडिट ले सकते हैं और इस प्रकार पूरे कार्यक्रम के दौरान उन्हें कुल **96** क्रेडिट लेने होंगे । निम्नांकित 14 'आधारभूत पत्र' (**56** क्रेडिट) उनके लिए अनिवार्य हैं । वैकल्पिक वर्ग के **40** में से न्यूनतम **8** क्रेडिट उन्हें अन्य विभागों से लेना अनिवार्य है । वैकल्पिक वर्ग में वे अधिकतम **16** क्रेडिट अन्य विभागों से ले सकते हैं ।

सेमेस्टर	आधारभूत पत्र (प्रत्येक पत्र 4 क्रेडिटों का)		वैकल्पिक पत्र (प्रत्येक पत्र 4 क्रेडिटों का)		कौशल-संवर्द्धक पत्र (यह बिना केडिट का है)	
	कोर्स-कोड	**कोर्स-शीर्षक**	**कोर्स-कोड**	**कोर्स-शीर्षक**	**कोर्स-कोड**	**कोर्स-शीर्षक**
पहला	MAHIN1001C04	**हिन्दी साहित्य का इतिहास**	MAHIN1001E04	**साहित्य और सिनेमा**		
	MAHIN1002C04	**हिन्दी कहानी**	MAHIN1002E04	**प्रयोजनमूलक हिन्दी**		
	MAHIN1003C04	**आधुनिक हिन्दी कविता : एक**	MAHIN1003E04	**दलित-साहित्य** ('स्वयम्' पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन कोर्स) / क्रेडिट 04/ **अवधि** :- दिनांक 21/08/18 से 04/12/18 तक		
	MAHIN1004C04	**भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा**				
दूसरा	MAHIN2001C04	**आधुनिक हिन्दी कविता : दो**	MAHIN2001E04	**हिन्दी भाषा-दक्षता**	MAHIN2001S00	**विज्ञापन और हिन्दी**
	MAHIN2002C04	**हिन्दी उपन्यास**	MAHIN2002E04	**कम्प्यूटर, सोशल मीडिया और हिन्दी**		
	MAHIN2003C04	**हिन्दी नाटक और रंगमंच**				
	MAHIN20004C04	**निबन्ध और विविध गद्य-रूप**				
तीसरा	MAHIN3001C04	**प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य**	MAHIN3001E04	**हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार**		
	MAHIN3002C04	**साहित्यशास्त्र : भारतीय और पाश्चात्य**	MAHIN3002E04	**अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग**		
	MAHIN3003C04	**अस्मितामूलक साहित्य**	MAHIN3003E04	**साहित्य-अध्ययन का वैचारिक परिप्रेक्ष्य**		
चौथा	MAHIN4001C04	**हिन्दी आलोचना : सैद्धान्तिक और व्यावहारिक**	MAHIN4001E04	**भारतीय साहित्य**		
	MAHIN4002C04	**हिन्दी-क्षेत्र का लोक-साहित्य**	MAHIN4002E04	**प्रवासी हिन्दी साहित्य**		
	MAHIN4003C04	**समकालीन हिन्दी साहित्य**	MAHIN4003E04	**सूफ़ी साहित्य**		
			MAHIN4004E04	**गजानन माधव मुक्तिबोध**		

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : **हिंदी साहित्य का इतिहास**			
कोर्स-कोड MAHIN1001C04		क्रेडिट	4
व्याख्यान(L) + ट्यूटोरियल (T) + प्रायोगिक (P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (पहला)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, समूह-चर्चा; स्वाध्याय, संगोष्ठी, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

- साहित्य, इतिहास और साहित्येतिहास की अवधारणा समझ सकेंगे |
- हिंदी साहित्य की इतिहास-लेखन परंपरा से परिचित हो सकेंगे |
- हिंदी साहित्य के इतिहास में काल-विभाजन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों की विशेषताओं को जान पाएँगे |
- परंपरा और आधुनिकता के साथ हिंदी साहित्य के संबंध को पहचान सकेंगे |
- हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं के विकास को समझ सकेंगे |
- भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण के साथ हिंदी साहित्य के संबंध को जान सकेंगे |
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी साहित्य के विकास से परिचित हो सकेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी में साहित्य, इतिहास और साहित्येतिहास की अवधारणात्मक समझ विकसित होगी |
- साहित्य के इतिहास में काल-विभाजन की प्रक्रिया और जटिलताओं को जान सकेंगे |
- हिंदी साहित्य में परंपरा और आधुनिकता के विभिन्न रूपों की उपस्थिति को पहचान सकेंगे |

- विभिन्न विधाओं के विकास को समझते हुए उन के स्वरूप का विश्लेषण कर सकेंगे |
- भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरण में हिंदी साहित्य के योगदान को जान सकेंगे |
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी साहित्य के विकास को जान सकेंगे |

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1** **अधिमान (24 %)**
  - साहित्य, इतिहास और साहित्येतिहास
  - हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा और समस्याएँ
  - हिंदी साहित्य के इतिहास में काल-विभाजन

- **इकाई – 2** **अधिमान (26 %)**
  - आदिकालीन हिंदी साहित्य का स्वरूप और उस की प्रवृत्तियाँ
  - मध्यकालीन हिंदी साहित्य का स्वरूप और उस की प्रवृत्तियाँ
  - आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

- **इकाई – 3** **(अधिमान 50%)**
  - हिंदी साहित्य और आधुनिकता : राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
  - भारतीय नवजागरण और हिंदी नवजागरण
  - आधुनिक हिंदी कविता का विकास
  - हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं का विकास
  - स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी साहित्य
  - स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-14 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1
15-30 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2
31-60 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. इतिहास के बारे में – लालबहादुर वर्मा, साहित्य उपक्रम, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वॉन, हैदराबाद
3. साहित्य और इतिहास-दृष्टि – मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. साहित्य-सिद्धांत – रेने वेलक और ऑस्टिन वारेन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. Is Literary History Possible ? – David Perkins, John Hopkins University Press, Baltimore

6. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
10. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो भाग) – गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
13. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
15. हिंदी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (सोलह भाग) – नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
17. दिनकर रचनावली (भाग 6 -7) – सं. नंदकिशोर नवल, तरुण कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. रस्साकशी – वीर भारत तलवार, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
20. स्वामी अछूतानंद हरिहर और हिंदी नवजागरण – कँवल भारती, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
21. हिंदी आधुनिकता : एक पुनर्विचार (तीन भाग) – सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
22. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास – नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
23. हिंदी गद्य : विन्यास एवं विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
25. हिंदी कहानी का इतिहास (तीन खंड) – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
26. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
27. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
28. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
29. गद्य की पहचान – अरुण प्रकाश, अंतिका प्रकाशन, नई दिल्ली
30. इतिहास : स्वरुप एवं सिद्धांत – गोविंदचंद्र पांडे
31. इतिहास-दर्शन – बुद्धप्रकाश
32. इतिहास क्या है – ई. एच. कार, मैकमिलन, नई दिल्ली
33. साहित्य का इतिहास-दर्शन – नलिनविलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
34. हिंदी साहित्य का विकास – रामअवध द्विवेदी

35. साहित्य रूप – राम अवध द्विवेदी
36. हिंदी साहित्य का अतीत (दो भाग) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
37. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **हिन्दी कहानी**			
कोर्स-कोड	MAHIN1002C04	क्रेडिट	04
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (पहला)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

इस कोर्स में विद्यार्थी हिंदी कहानी के स्वरूप एवं विकास के साथ-साथ स्वाधीनता संग्राम और उसके बाद के भारतीय समाज के गतिशील यथार्थ एवं हिन्दी कहानी में उसकी कलात्मक अभिव्यक्तियों का अध्ययन करेंगे ।

अधिगम की उपलब्धियाँ : पाठ्यक्रम की अवधि पूरी होने पर विद्यार्थी

- नई शब्दावलियों से परिचित हो सकेंगे ।
- नए मूर्त-अमूर्त कथा-विचारों से परिचित होकर जीवन की समझ बनाने में समर्थ हो सकेंगे।
- कहानी के किसी चरित्र से सहानुभूति रखकर जीवन में मानवीय संवेदना का विस्तार करेंगे।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 :** **(अधिमान 25%)**

  कथा, किस्सा और कहानी
  कहानी का परिदृश्य : वैश्विक एवं भारतीय
  कहानी : स्वरूप एवं संवेदना
  हिन्दी कहानी का विकास
  प्रमुख कहानी-आन्दोलन
  हिन्दी कहानी साहित्य में अस्मितामूलक स्वर
  हिन्दी कहानी-आलोचना का विकास

- **इकाई - 2 :** **(अधिमान 25%)**

  पाठ (किन्हीं तीन कहानीकारों की एक-एक कहानी का अध्ययन)

बंग महिला, चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी', प्रेमचंद,प्रसाद, पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र', सुदर्शन, विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक', जैनेन्द्र, अज्ञेय, यशपाल, उपेन्द्रनाथ अश्क, अमृतलाल नागर

- **इकाई - 3 :** **(अधिमान 25%)**

पाठ (किन्हीं तीन कहानीकारों की एक-एक कहानी का अध्ययन)

मंटो, कृश्नचन्दर, इस्मत चुगताई, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव, शेखर जोशी, अमरकांत, निर्मल वर्मा, शिवप्रसाद सिंह, हरिशंकर परसाई, ज्ञानरंजन, राजकमल चौधरी, मन्नू भंडारी, काशीनाथ सिंह, दूधनाथ सिंह, राधाकृष्ण, मधुकर सिंह

- **इकाई - 4 :** **(अधिमान 25%)**

पाठ (किन्हीं तीन कहानीकारों की एक-एक कहानी का अध्ययन)

विद्यासागर नौटियाल, शैलेश मटियानी, कृष्णा सोबती, उषा प्रियंवदा, सारा राय, असग़र वज़ाहत, ओमप्रकाश वाल्मीकि, शिवमूर्ति, सूरजपाल चौहान, मिथिलेश्वर, उदय प्रकाश

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
0-15 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 :
15-30 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 :
30-45 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 :
45-60 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 :

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. कथासरित्सागर (तीन खंड) - बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
2. पंचतंत्र - विष्णुशर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
3. कादंबरी - बाणभट्ट, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
4. दशकुमारचरितम् - दंडी, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
5. भारत की लोक कथाएँ - सं. ए. के. रामानुजन, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
6. भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोक कथाएँ - सं. शरद सिंह, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
7. हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. साहित्य और संस्कृति - अमृतलाल नागर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
9. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. कथाकार प्रेमचंद - जाफर रज़ा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
11. प्रेमचंद : कहानी का रहनुमा - जाफर रज़ा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

12. प्रेमचंद के विचार (तीन खंड) - प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
13. प्रेमचंद और भारतीय समाज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. प्रेमचंद : विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र - नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
16. प्रेमचंद - नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. प्रेमचंद : एक साहित्यक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. प्रसाद और उनका साहित्य - विनोदशंकर व्यास, हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
20. प्रसाद का गद्य साहित्य - राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
21. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (खंड -12) - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
22. प्रेमचंद : सामंत का मुंशी - धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
23. प्रेमचन्द - हंसराज रहबर
24. प्रेमचंद - रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशनए नई दिल्ली
25. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्माए राजकमल प्रकाशनए नई दिल्ली
26. कथाकार प्रेमचंद - जाफर रज़ाए लोकभारती प्रकाशनए नई दिल्ली
27. प्रेमचंदरू कहानी का रहनुमा - जाफर रज़ाए लोकभारती प्रकाशनए नई दिल्ली
28. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन - शंभुनाथ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
29. जैनेन्द्र की आवाज - सं. अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
30. अज्ञेय और उनका कथा-साहित्य - गोपाल राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
31. कहानी: अनुभव और अभिव्यक्ति - राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
32. कहानी: स्वरूप और संवेदना - राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
33. कहानी: नई कहानी - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
34. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति - सं. देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
35. कहानी की बात - मार्कण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
36. जनवादी कहानी: पृष्ठभूमि से पुनर्विचार तक - रमेश उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
37. एक दुनिया: समानान्तर - सं. राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
38. हिंदी कहानी संग्रह - सं. भीष्म साहनी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
39. आज की कहानी - विजय मोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
40. हिंदी कहानी: प्रक्रिया और पाठ - सुरेन्द्र चैधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
41. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
42. कथा-शेष - ज्ञानचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
43. शांतिनिकेतन से शिवालिक तक - सं. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

44. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
45. हिंदी दलित कथा साहित्य: अवधारणाएँ और विधाएँ - रजतरानी मीनू, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
46. दलित कहानी संचयन -सं. रमणिका गुप्ता,साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
47. दलित चेतना की कहानियाँ: बदलती परिभाषाएँ - राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
48. अन्या से अनन्या - प्रभा खेतान,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
49. इस पौरुषपूर्ण समय में - कात्यायनी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
50. शृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
51. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी - सं. रमणिका गुप्ता,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
52. दलित दृष्टि - गेल ओमवेट, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
53. आधुनिकता के आईने में दलित - सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
54. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
55. अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज - ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा, नई दिल्ली
56. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श - सं. देवेन्द्र चैबे, ओरियंट ब्लैकस्वान, हैदराबाद
57. दलित विमर्श की भूमिका - कँवल भारती, साहित्य उपक्रम
58. हाशिए की वैचारिकी - सं. उमाशंकर चैधरी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
59. नारीवादी राजनीति : संघर्ष एवं मुद्दे - सं. साधना आर्य, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली वि.वि., नई दिल्ली
60. स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बउआ, हिंद पाॅकेट बुक्स, नई दिल्ली
61. आदिवासी भारत जैसा देखा - सं. टी.सी. दमोर, अलख प्रकाशन, जयपुर
62. आदिवासी कहानियाँ - सं. केदार प्रसाद मीणा, अलख प्रकाशन, जयपुर
63. आदिवासी दुनिया: चुनिंदा मुद्दों पर विमर्श - सं. हरिराम मीणा नेशनल, बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
64. आदिवासी साहित्य-यात्रा - रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
65. मध्यभारत के पहाड़ी इलाके - कैप्टन जे. फोरसिथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
66. मध्य प्रांत और बरार में आदिवासी समस्याएँ- डब्ल्यू. वी. ग्रिग्सन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
67. स्त्री-विमर्श का लोकपक्ष- अनामिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
68. आदिवासी मिथक और यथार्थ - सं. रमणिका का गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : **आधुनिक हिंदी कविता : एक**			
कोर्स कोड MAHIN1003C04		क्रेडिट	4
व्याख्यान(L) + ट्यूटोरियल(T) + प्रायोगिक (P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (पहला)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, समूह-चर्चा; स्वाध्याय, संगोष्ठी, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

- आधुनिकता की अवधारणा और संदर्भों को समझते हुए आधुनिक हिंदी कविता के साथ इस के संबंध को जान सकेंगे |
- काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली के उदय, विकास और इस के लिए हुए आंदोलन को समझ सकेंगे |
- आधुनिक हिंदी कविता की विकास धारा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- नवजागरण और भारतीय स्वाधीनता संग्राम के साथ आधुनिक हिंदी कविता के संबंध को जान सकेंगे |
- आधुनिक हिंदी कविता के विकास के विभिन्न पड़ावों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे |
- आधुनिक हिंदी कविता के पाठ आधारित अध्ययन के द्वारा इस की विभिन्न धाराओं की विशेषताओं को पहचान सकेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी में आधुनिकता और हिंदी कविता के संबंध की समझ विकसित होगी |

- नवजागरण और भारतीय स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिंदी कविता की विशिष्टता समझ सकेंगे |
- काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली की विशेषताओं से परिचित होंगे |
- आधुनिक हिंदी कविता की विभिन्न धाराओं की विशेषताओं को जान सकेंगे |
- पाठ आधारित अध्ययन के द्वारा कविता की व्याख्या, उस का विश्लेषण और उस का मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित होगी |

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई – 1 अधिमान (10%)**
  - आधुनिकता की अवधारणा, वैकल्पिक आधुनिकता, देशज आधुनिकता
  - आधुनिकता और हिंदी कविता

- **इकाई – 2 अधिमान (14 %)**
  - हिंदी कविता की भाषा : ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली
  - काव्य भाषा के रूप में खड़ी बोली का उदय एवं विकास
  - नवजागरण, भारतीय स्वाधीनता संग्राम और आधुनिक हिंदी कविता
- **इकाई – 3 अधिमान (26%)**
  - आधुनिक हिंदी कविता की विकास धारा
  - भारतेंदु युगीन हिंदी कविता
  - द्विवेदी युगीन हिंदी कविता
  - स्वच्छंदतावाद, रहस्यवाद, छायावाद
- **इकाई - 4 (पाठ : किन्हीं पाँच कवियों का अध्ययन) अधिमान (50%)**
  1. भारतेंदु की कविताएँ (चयनित पाठ) भारतेंदु ग्रंथावली, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
  2. श्रीधर पाठक (चयनित पाठ)
  3. मैथिलीशरण गुप्त (चयनित पाठ)
  4. हरिऔध (चयनित पाठ), प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
  5. स्वामी अछूतानंद हरिहर संचयिता (चयनित पाठ), महात्मा गाँधी अंतराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
  6. जयशंकर प्रसाद – 'कामायनी'(चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
  7. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – 'राग-विराग' (चयनित पाठ) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
  8. महादेवी वर्मा – 'दीपशिखा' (चयनित पाठ), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
  9. सुमित्रानंदन पन्त (चयनित पाठ)
  10. रामधारी सिंह दिनकर (चयनित पाठ)
  11. दीवान-ए-ग़ालिब – सं. शीन काफ निजाम, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-6 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1
7-14	इकाई - 2

(इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	
15-30 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3
31-60 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास (खण्ड 10) - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद - प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी में छायावाद - मुकुटधर पाण्डेय, तिरुपति प्रकाशन, हापुड़
4. कवि दृष्टि - अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कल्पना और छायावाद - केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. छायावाद की प्रासंगिकता - रमेशचंद्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
8. काव्य और कला तथा अन्य निबंध - जयशंकर प्रसाद, लोकभारती, इलाहाबाद
9. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. दिनकर रचनावली (खंड 7) - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. निराला रचनावली (खंड 5) - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. माखनलाल चतुर्वेदी - श्रीकांत जोशी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
13. सियारामशरण गुप्त - नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
14. सियारामशरण गुप्त - प्रेमशंकर, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
15. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
16. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
17. कामायनी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
19. पुनर्मूल्यांकन - नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
20. कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. निराला की साहित्य-साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
22. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा - रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
23. निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. निराला : कृति से साक्षात्कार - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
25. सुमित्रानंदन पंत - नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
26. कवि सुमित्रानंदन पंत - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

27. महीयसी महादेवी - गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. महादेवी वर्मा - जगदीश गुप्त, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
29. सुभद्राकुमारी चौहान - सुधा चौहान, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
30. भारतेंदु-युग और हिंदी भाषा की विकास-परंपरा – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
31. खड़ी बोली आंदोलन – शितिकण्ठ मिश्र, नागरीप्रचारिणी सभा, बनारस
32. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
33. ग़ालिब – रामनाथ सुमन, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
34. ग़ालिब की कविता – कृष्णदेव प्रसाद गौड़, नागरीप्रचारिणी सभा, बनारस
35. उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
36. उर्दू-साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा**			
कोर्स-कोड	MAHIN1004C04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (पहला)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को 'भाषा' के जटिल स्वरूप का बोध कराना
2. 'भाषाविज्ञान' विषय तथा उसके अंगों एवं शाखाओं से परिचित कराना
3. संसार में भाषावैज्ञानिक चिन्तन की परम्परा से अवगत कराना
4. 'भाषा-व्यवस्था' के विभिन्न स्तरों (स्वन, रूप, वाक्य, अर्थ, लिपि आदि) का सम्यक् बोध कराना
5. हिन्दी भाषा के इतिहास-भूगोल और उसकी भाषावैज्ञानिक संरचना से अवगत कराना।

अधिगम की उपलब्धियाँ :

1. विद्यार्थी 'भाषाविज्ञान' विषय के सामान्य सैद्धान्तिक ढाँचे और उसके आधारभूत विवेच्य विषयों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. उन्हें मानवीय सम्प्रेषण के सर्वप्रभावी माध्यम के रूप में 'भाषा' के महत्त्व और कार्य-प्रक्रिया (सामाजिक और मनोवैज्ञानिक) का बोध हो सकेगा।
3. भाषा और समाज के रिश्ते को समझने में इस पत्र का अध्ययन उन्हें मदद करेगा। इस के द्वारा, शिक्षा के व्यापक उद्देश्य - 'कक्षा को समाज से जोड़ना' - की सिद्धि भी हो सकेगी।
4. भारतीय आर्यभाषा परिवार और उसके वर्तमान प्रतिनिधि के रूप में हिन्दी भाषा के इतिहास और उसकी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
5. इन सब के ज़रिये वे भाषा-मात्र के क्रमिक विकास और उस की संरचना का बोध प्राप्त कर सकेंगे।
6. सब के परिणामस्वरूप, वे अपने भाषाई व्यवहार के प्रति अधिक सचेत और रचनात्मक होंगे। उन में भाषाई कौशल का विकास होगा, जो उन्हें किसी हद तक रोजगार-उन्मुख भी बनाएगा।
7. वे अपने इतिहास, संस्कृति, सामाजिक ताने-बाने आदि को 'भाषा' के ज़रिये अभिव्यक्त और संरक्षित करने में समर्थ हो सकेंगे।
8. उन्हें भारत की भाषाई बहुलता का बोध होगा, जो उनके लोकतांत्रिक विवेक के विकास में मददगार होगा। इस प्रकार, उनमें भाषा-दर्शन को जीवन-दर्शन से जोड़ कर देखने की रुचि विकसित होगी।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 : भाषा का स्वरूप और वर्गीकरण** **(अधिमान 20%)**

- भाषा का स्वरूप, अभिलक्षण, संरचना, प्रकार्य; भाषा और बोली (विभाषा)
- मानव-भाषा और मानवेतर भाषा, स्त्रीभाषा की अवधारणा
- मौखिक और लिखित भाषा, देवनागरी लिपि
- भाषा का वर्गीकरण

➢ **इकाई - 2 : भाषाविज्ञान और उस का इतिहास (अधिमान 13%)**

- भाषाविज्ञान : अंग और शाखाएँ, साहित्य-अध्ययन और भाषाविज्ञान
- भाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास : भारतीय और इतर सन्दर्भ

➢ **इकाई - 3 : स्वन और रूप विज्ञान (अधिमान 17%)**

- **स्वन-विज्ञान**:- उच्चारण-प्रक्रिया, स्वन और स्वनिम, अक्षर (सिलेबल), स्वनिमों का वर्गीकरण, स्वन-परिवर्तन की दिशाएँ और कारण
- **रूप-विज्ञान**:- शब्द और पद, शब्द के प्रकार, रूप और रूपिम, अर्थ-तत्त्व और सम्बन्ध-तत्त्व

➢ **इकाई - 4 : वाक्य और अर्थ विज्ञान (अधिमान 13%)**

- **वाक्य-विज्ञान** :- वाक्य, पदबन्ध, वाक्य-प्रकार, वाक्य-संरचना, प्रोक्ति
- **अर्थविज्ञान :-** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध और शब्द-शक्तियाँ, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ और कारण

➢ **इकाई - 5 : भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी (अधिमान 17%)**

- **भारतीय आर्यभाषाएँ :–** वैदिक भाषा और संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ
- **हिन्दी-क्षेत्र की भाषाएँ** :- 5 भाषा-वर्ग (पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, बिहारी, पहाड़ी, राजस्थानी); आधुनिक युग में खड़ी बोली हिन्दी का विकास और हिन्दी-प्रसार आन्दोलन;

➢ **इकाई - 6 : हिन्दी की व्याकरणिक संरचना (अधिमान 20%)**

- हिन्दी व्याकरण-चिन्तन परम्परा और प्रमुख हिन्दी वैयाकरण
- हिन्दी की वाक्य-संरचना, पदबन्ध; हिन्दी की रूप-संरचना; शब्द-भेद; शब्द-रचना; व्याकरणिक कोटियाँ; संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया की रूप-रचना; स्वनिम/स्वन-व्यवस्था

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-12 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 : भाषा का स्वरूप और वर्गीकरण
13-20 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 : भाषाविज्ञान और उस का इतिहास
21-30 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 : स्वन और रूप विज्ञान
31-38 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 : वाक्य और अर्थ विज्ञान
39-50	इकाई - 5 : भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी

(इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	
51-60 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 6 : हिन्दी की व्याकरणिक संरचना

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा – द्वारिका प्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन,मेरठ
3. सामान्य भाषाविज्ञान– बाबूराम सक्सेना, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
4. भाषाविज्ञान– भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
5. भारतीय भाषाविज्ञान की भूमिका – भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक चिन्तन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. भाषाविज्ञान-कोश – भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
8. भाषाविज्ञान की भारतीय परम्परा और पाणिनि – रामदेव त्रिपाठी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. भाषा और बोली : एक संवाद – सं. रमाकान्त अग्निहोत्री, देशकाल प्रकाशन, दिल्ली
10. भारतीय भाषाविज्ञान – किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. अक्षर-कथा – गुणाकर मुले, प्रकाशन विभाग, दिल्ली
12. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13. साहित्य का भाषिक चिन्तन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
14. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. आधुनिक भाषाविज्ञान – कृपाशंकर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. मार्क्सवाद और भाषा का दर्शन – वी.एन.वोलोशिनोव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. विचार और भाषा – एल.एस.व्यगोत्स्की, ग्रंथशिल्पी (इण्डिया) प्रा.लि., दिल्ली
19. समसामयिक भाषाविज्ञान – वैश्ना नारंग, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
20. भाषाविज्ञान – सं.राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
21. भाषा और स्त्री-भाषा – सुकुमार सेन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
22. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
23. हिन्दी-साहित्य का बृहद् इतिहास (पहला खण्ड), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
24. हिन्दी भाषाविज्ञान – रामदेव त्रिपाठी, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
25. हिन्दी व्याकरण-मीमांसा – काशीराम शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
26. हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
27. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान - देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद्

29. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी (खण्ड 1,2,3) – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
30. देवनागरी लिपि और हिन्दी : संघर्षों की ऐतिहासिक यात्रा – रामनिरंजन परिमलेन्दु, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
31. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
32. हिन्दी विविध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
33. भाषा-शिक्षण - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
34. भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन की पीठिका – विद्यानिवास मिश्र, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
35. भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन - सं. विद्यानिवास मिश्र, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
36. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
37. नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी - अनन्त चौधरी, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
38. हिन्दी-व्याकरण का इतिहास – अनन्त चौधरी, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
39. हिन्दी संरचना का शैक्षिक स्वरूप – रामकमल पाण्डेय, विराट् प्रकाशन, गोपीगंज, वाराणसी
40. आर्य और द्रविड़ भाषाओं का अन्त:सम्बन्ध – भगवान सिंह, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, दिल्ली
41. भारत में अंग्रेज़ी की समस्या – रमाकान्त अग्निहोत्री, एकलव्य, भोपाल
42. इक्कीसवीं सदी की औपनिवेशिक मानसिकता और भाषा – सं.हर्षबाला शर्मा, अन्तिका प्रकाशन, गाज़ियाबाद
43. विश्व-पटल पर हिन्दी– सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
44. Language – Bloomfield, Motilal Banarasidas, Delhi

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **साहित्य और सिनेमा**			
कोर्स-कोड	MAHIN1001E04	क्रेडिट	04
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (पहला)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, प्रदर्शन, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

इस पत्र का अध्ययन विद्यार्थियों में 'सिनेमा' जैसी लोकप्रिय विधा को, उसके कलात्मक मायाजाल से परे जाकर, साहित्यिक संवेदना और सामाजिक यथार्थवादी दृष्टि से परखने का विवेक विकसित करेगा, जिसका उपयोग कर वे न केवल हिन्दी सिनेमा के सौन्दर्यशास्त्रीय पक्ष को, बल्कि साहित्य-मात्र को सिनेमाई संवेदना और प्रविधियों के माध्यम से समझने और मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे। साथ ही, यह पत्र उन्हें हिन्दी सिनेमा में साहित्यिक स्रोतों एवं सन्दर्भों के अनुप्रयोग की परंपरा और सम्भावना के प्रति भी जागरुक व उत्सुक करेगा ।

अधिगम की उपलब्धियाँ : पाठ्यक्रम की अवधि पूरी होने पर विद्यार्थी

- आलोच्य विषय की नई शब्दावली से परिचित हो सकेंगे।
- नए मूर्त-अमूर्त विचारों से परिचित होकर जीवन की समझ बनाने में समर्थ हो सकेंगे
- सिनेमा के किसी चरित्र से सहानुभूति रखकर जीवन में मानवीय संवेदना का विस्तार करेंगे ।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 :** **(अधिमान 10%)**
  सिनेमा की सैद्धांतिकी - वैश्विक, भारतीय एवं हिन्दी
  नयी तकनीक और सिनेमा
- **इकाई - 2 :** **(अधिमान 10%)**
  हिन्दी सिनेमा का विकास
- **इकाई - 3 :** **(अधिमान 10%)**
  साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध
- **इकाई - 4 :** **(अधिमान 70%)**
  हिन्दी फिल्म समीक्षा (किन्हीं पाँच फिल्मों का विशेष अध्ययन)

दो बीघा जमीन, आवारा, गाइड, मुगले-आज़म, पाकीजा, मदर इंडिया, बंदिनी, तीसरी कसम, प्यासा, शतरंज के खिलाड़ी, जय संतोषी माँ, दामुल, देवदास, लीजेंड ऑफ़ भगत सिंह, लगान, सारांश, गर्म हवा, शोले, सद्गति, बैंडिट क्वीन, ब्लैक, तारे जमीन पर, मांझी : द माउंटेन मैन, मैरी कॉम, पिंक, पार्च्ड, न्यूटन

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
0-7 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 : सिनेमा की सैद्धांतिकी - वैश्विक, भारतीय एवं हिन्दी नयी तकनीक और सिनेमा
07-14 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 : हिन्दी सिनेमा का विकास
14-20 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 : साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध
20-60 (इनमें से 9 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 : हिन्दी फिल्म समीक्षा (पाँच फिल्में)

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी सिनेमा : बीसवीं से इक्कीसवीं सदी तक ('प्रगतिशील वसुधा' पत्रिका का विशेषांक, वर्ष 6, अंक 1), सं. कमला प्रसाद, भोपाल
2. सदी का सिनेमा ('वर्तमान साहित्य' पत्रिका का विशेषांक) - सं. मृत्युंजय, शिल्पायन, दिल्ली
3. भारतीय सिनेमा : एक अनन्त यात्रा - प्रसून सिंहा, श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली
4. धुनों की यात्रा - पंकज राग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी चित्रपट एवं संगीत का इतिहास - विमल, संजय प्रकाशन, दिल्ली
6. चलचित्र : कल और आज - सत्यजीत राय, राजपाल ऐण्ड संस, दिल्ली
7. फ़िल्मों का सौन्दर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा - सं.कमला प्रसाद, शिल्पायन, दिल्ली
8. हिन्दी सिनेमा : दुनिया से अलग दुनिया - सं. गीताश्री, शिल्पायन, दिल्ली
9. सिनेमा से संवाद - विष्णु खरे, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली
10. सिनेमा पढ़ने के तरीके - विष्णु खरे, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली

11.साझा संघर्ष, साम्प्रदायिक आतंकवाद और हिन्दी सिनेमा - जवरीमल पारख, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

12.लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ - जवरीमल पारख, अनामिका पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि.,दिल्ली

13.हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र - जवरीमल पारख, ग्रंथशिल्पी प्रा.लि., दिल्ली

14.हिन्दी सिनेमा का इतिहास - जवरीमल पारख, ग्रंथशिल्पी प्रा.लि., दिल्ली

15.सिनेमा की संवेदना - विजय अग्रवाल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली

16.हिन्दी-चलचित्रों में साहित्यिक उपादान - विश्वनाथ मिश्र, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

17.हिन्दी सिनेमा : नीति और अनीति - वीरेन्द्र सक्सेना, पंकज बुक्स, दिल्ली

18.सिनेमा: कल, आज, कल - विनोद भरद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

19.भारतीय सिने सिद्धांत - अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

20.सिनेमाई भाषा और हिन्दी संवादों का विश्लेषण - किशोर वासवानी, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली

21.फ़िल्मक्षेत्रे रंगक्षेत्रे - अमृतलाल नागर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

22.साहित्य और सिनेमा : अन्त: सम्बन्ध और रूपान्तरण - विपुल कुमार, मनीष पब्लिकेशन्स, दिल्ली

23.फ़िल्में कैसे बनती हैं ? - हरमल सिंह, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, जयपुर

24.फ़िल्म कैसे बनती है ? - ख्वाजा अहमद अब्बास, नेशनल बुक्स ट्रस्ट, दिल्ली

25.फ़िल्म-निर्माण के कारक तत्त्व - बालकृष्ण राव, अंशुल प्रकाशन, जयपुर

26.फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

27.पटकथा-लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

28.पटकथा कैसे लिखें ? - राजेन्द्र पाण्डे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

29.विमल राय का देवदास ('देवदास' की पटकथा) - नवेन्दु घोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

30.जुग-जुग जिए मुन्नाभाई - प्रह्लाद अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

31. फ़िल्म पत्रकारिता - विनोद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

32. सिने-संसार और पत्रकारिता - रामकृष्ण, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

33. नाट्यशास्त्र. फ़िल्म एवं टेलीविजन परिभाषा कोश - वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, दिल्ली

34. यहाँ से सिनेमा - अरुण कुमार, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद

35. कथा-पटकथा - अनुपम ओझा

36. साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध - नीरा जलक्षेत्री, शिल्पायन, नई दिल्ली

37. विश्व सिनेमा का सौंदर्यबोध - सं. श्रीराम तिवारी, प्रभुनाथ सिंह 'आज़मी', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

38. Gender-relations and Cultural Ideology in Indian Cinema – Indubala Singh, Deep ad Deep Publications Pvt. Ltd., Delhi

39. Film and Feminism – edited by Jasbeer Jain + Sudha Rai, Rawat Publication, Jaipur

40. Film, Literature and Cultiure - edited by Jasbeer Jain, Rawat Publication, Jaipur

41. Muslim Culture in Indian Cinema -edited by Jasbeer Jain, Rawat Publication, Jaipur

42. 100 Films To see Before You Die – AnupamChopara, Bennett Coleman and Company Ltd.,Delhi

43. Film and Fictin (Word into Image) – Somadatta Mandal, , Rawat Publication, Jaipur

44. What is Film Theory ? : An Introduction to Contemporary Debates – RicherdRushton+GarryBettinson, Rawat Publication, Jaipur

---

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : **प्रयोजनमूलक हिंदी**			
कोर्स कोड	MAHIN1002E04	क्रेडिट	4
L(व्याख्यान) **+ T**(ट्यूटोरियल) **+ P** (प्रायोगिक)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	**विषम (प्रथम)**	शिक्षण के घंटे	45 (L) + 15 (T) Hours
शिक्षण विधि	➢ संवाद-शैली | समूह चर्चा | विद्यार्थी केन्द्रित प्रस्तुतिकरण| ➢ सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक, विवेचनात्मक और पद्धति का अनुप्रयोग | ➢ उपचारात्मकशिक्षण | ➢ कम्प्यूटर और प्रोजेक्टर का अनुप्रयोग |		
मूल्यांकन	➢30% 'सतत आंतरिक मूल्यांकन' ➢70% - 'सत्रांतपरीक्षा' विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा।		

कोर्स का उद्देश्य :

जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार-क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है। भारतीय संविधान निर्माताओं के मन में एक ऐसी सार्वदेशिक (राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय) हिन्दी के विकास की संकल्पना निहित थी, जो राष्ट्र के अधिसंख्यक समुदाय के पारस्परिक सम्पर्क-संचार और शैक्षणिक-साहित्यिक-सांस्कृतिक प्रयोजनों के अतिरिक्त अन्य (प्रशासनिक, व्यावसायिक एवं वैधानिक) प्रयोजनों को भी सिद्ध करने में सक्षम हो। प्रयोजनमूलक भाषा का ही एक प्रकार्य जनसंचार माध्यमों में होता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी की प्रयोजनशीलता और उसके व्यावहारिक प्रकार्यों से परिचित कराना है ।.

अधिगम की उपलब्धियाँ:

- हिंदी भाषा का व्यावहारिक अनुप्रयोग जान सकेंगे
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा के विविध आयाम जान सकेंगे
- विविध क्षेत्रों में हिंदी भाषा का अनुप्रयोग सीख सकेंगे
- भाषा तकनीकी का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी** **अधिमान 21%**
  - प्रयोजनमूलक हिन्दी का तात्पर्य, उद्देश्य, स्वरूप और क्षेत्र
  - **राजभाषा हिन्दी** :- राजभाषा और उसका स्वरूप, राजभाषा के रूप में हिन्दी का इतिहास, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति
- **इकाई –2** **अधिमान 26%**

- **प्रयोजनमूलक हिन्दी का अनुप्रयोग** :-

व्यावसायिक हिन्दी :- वित्त-वाणिज्य, बैंकिंग, बीमा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, विधि, कृषि, संचार माध्यमों और शिक्षण में प्रयोजनमूलक हिन्दी; उत्पाद-बिक्री बढ़ाने हेतु भाषाई कौशल का इस्तेमाल, विज्ञापन और हॉर्डिंग, पन्ना(लीफ़लेट), विवरणिका (ब्रोशर/पम्फ़लेट), नारा(स्लोगन), व्यावसायिक पत्र-लेखन, बाज़ार-सर्वेक्षण के लिए प्रश्नावली बनाना

- **इकाई – 3 : अधिमान 22%**

कार्यालयी एवं प्रशासनिक हिन्दी :- पत्राचार, कार्यसूची, कार्यवृत्त, प्रतिवेदन, ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय-आदेश, प्रारूप (मसौदा), पृष्ठांकन, टिप्पण, नोटशीट, प्रेस-विज्ञप्ति, निविदा, अधिसूचना

- **इकाई – 4 : अधिमान 21%**

जनहितकारी लेखन :- सार्वजनिक सूचना, पत्र/आवेदन-लेखन (व्यक्तिगत और लोकहितार्थ), सूचनाधिकार-लेखन

- **इकाई – 5 : भाषा-प्रौद्योगिकी एवं हिंदी भाषा अधिमान 10%**

शिक्षण योजना :

	इकाई/विषय/उपविषय
1-12 इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 1
12-28 इनमें से 4घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 2
28-41 इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 3
41– 54 इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 4
54- 60 इनमें से 1घंटा ट्यूटोरियल	इकाई – 5

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता – दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिदृश्य – रमेशचन्द्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर
5. प्रायोगिक हिन्दी – सं. रमेश गौतम, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, हैदराबाद
6. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

7. अभिव्यक्ति और माध्यम – सं. सन्ध्या सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
8. जनसंचार-माध्यमों में हिन्दी – चन्द्र कुमार, क्लासिक पब्लिशिंग, दिल्ली
9. जनसंचार के पारम्परिक माध्यमों का उद्भव और विकास – मुक्तिनाथ झा, भावना प्रकाशन, दिल्ली
10. कामकाजी हिन्दी : भूमण्डलीकरण के दौर में – देशबन्धु राजेश, भावना प्रकाशन, दिल्ली
11. साहित्यिक पत्रकारिता का साधु-संग्राम – शिवनारायण, भावना प्रकाशन, दिल्ली
12. राजभाषा हिन्दी : मानक टिप्पण और पत्राचार – राहुल, भावना प्रकाशन, दिल्ली
13. बोलचाल की हिन्दी और संचार – मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. राजभाषा हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. व्यावसायिक हिन्दी – प्रेमचन्द पतंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास – जे.नटराजन, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, दिल्ली
18. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और सन्दर्भ – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
19. सूचना-प्रौद्योगिकी (फ़ाउण्डेशन कोर्स) – सम्पादक-मण्डल द्वारा सम्पादित, यूनिवर्सिटीज प्रेस (इण्डिया) प्रा.लि., हिमायत नगर, हैदराबाद
20. हिन्दी वेब-साहित्य – सुनील कुमार लवटे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
21. प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
23. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
25. जनसंचार-माध्यम : भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी, जयपुर विश्वविद्यालय प्रकाशन, जयपुर
26. कम्प्यूटर क्या है ? – गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
27. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
28. भाषा और प्रौद्योगिकी – विनोद प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
29. भाषा और सूचना-प्रौद्योगिकी – अमरसिंह वधान,भावना प्रकाशन, दिल्ली
30. कम्प्यूटर-प्रयोग और हिन्दी - अमरसिंह वधान, भावना प्रकाशन, दिल्ली
31. जनसंचार का समाजशास्त्र – लक्ष्मेन्द्र चोपड़ा, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)
32. मीडिया, इतिहास और हाशिये के लोग – अजय कुमार सिंह, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)

33. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – कृष्ण कुमार गोस्वामी
34. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
35. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
36. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी
37. मीडिया की भाषा – वसुधा गाडगिल
38. संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य-बोध – कृष्ण कुमार रत्तू
39. डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
40. विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी
41. तमाशा मेरे आगे- आनंद प्रधान
42. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा

DALIT SAHITYA

OVERVIEW

SYLLABUS

FACULTY

FAQS

DALIT SAHITYA

ENROLL NOW

Start Date
21/08/2018

End Date
04/12/2018

No. of Enrollments
20 students

No course syllabus uploaded

Created by

Devendra Choubey
Jawaharlal Nehru University

Course Language	Hindi
Course Type	Scheduled
Video transcripts	
Course Category	Humanities
Learning Path	Post graduate
Course Length	40 Hours
Weekly time commitments	3 Hours
Course Completion	Yes, after passing a....
Exam Date	10/12/2018
Credits	4

0
out of 5

Based on 0 rating

5 star	0
4 star	0
3 star	0
2 star	0
1 star	0

13	0	0	0	0
Tutorials	Test	Assignment	Article	Weekly Reading list

Overview

समकालीन हिंदी साहित्य में दलित लेखन या दलित साहित्य की एक महत्वपूर्ण उपस्थिति है। दलित साहित्य ने न केवल हाशिए का साहित्य शुरू किया, बल्कि इन विमर्शों का नेतृत्व भी किया।

दलित साहित्य मूल रूप से जातिगत उत्पीड़न के विरोध में लिखा गया साहित्य है। भारतीय समाज की एतिहासिक विशेषता वर्ण व्यवस्था के कारण एक बड़ी जनसंख्या जातिगत भेदभाव का शिकार रही। उत्पा लंबे समय तक एक बड़े जनसमूह का शोषण करने में कामयाब रही, जिससे एक ऐसा वर्ग पैदा हो गया जिसके हाथ में सभी तरह के अधिकार और साधन थे तो दूसरी तरफ एक ऐसा वर्ग था जिसके पास न कोई एवं उनके साथ भेदभाव और शोषण किया जाता था।

संक्षेप में, हम यह कह सकते हैं कि वर्ण व्यवस्था के कारण दलितों का जीवन शोषण और अपमान के दुष्चक्र में फंसा हुआ था, समय-समय पर विभिन्न महापुरुषों, चिंतकों और विचारकों ने इस शोषण और भेद महात्मा गौतम बुद्ध ज्योतिबा फूले, सावित्री फूले और डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम मुख्य है, साथ ही नारायण गुरू, पेरियार जैसे चिंतकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का नाम भी इस संदर्भ में कम महत्व व चिंतकों के विचारों का महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण स्थान है। दूसरे शब्दों में, बुद्ध दर्शन और उनसे प्रभावित चिंतकों के विचार दलित साहित्य की सैद्धांतिक बनाते हैं। भारतीय नवजागरण के उस दौर में ज्योतिराव फु पहले दलित आंदोलन खड़ा हुआ और संभवत: यही कारण है कि सबसे पहले दलित साहित्य मराठी में लिखा गया, हिंदी में यह बहुत बाद में आया।
अतः स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम में इसकी अनिवार्यता को ध्यान में रखते हुए प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में इसे एक प्रश्नपत्र के रूप में पढ़ा-पढ़ाया जाता है। कई विश्वविद्यालयों में यह एक स्वतन्त्र पाठ्यक्रम के साहित्य प्रश्नपत्र प्रस्तावित कर रहा हूँ। यह कुल 4 क्रेडिट का होगा। इसके अन्तर्गत15 सप्ताहों में कुल 40 इकाइयों पर चर्चा की जाएगी।

दलित साहित्य पेपर इंट्रोडक्शन

To access the content, please enroll in the course.

Course Syllabus & Schedule

WEEK 1

WEEK 2

FAQs

No FAQ has been added to this course yet.

Download App

Download SWAYAM applications from popular app stores

(https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.swayam.app)

(https://itunes.apple.com/in/app/swayam-online-education/id1146833429?mt=8)

(https://www.microsoft.com/en-in/store/p/swayam/9nblggh4xxml#)

Copyright © 2018. MHRD

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- आधुनिक हिंदी कविता : दो			
कोर्स-कोड	MAHIN2001C04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(**L**)+ट्यूटोरियल(**T**)+प्रायोगिक(**P**)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (दूसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स के उद्देश्य :

रूसी क्रांति और दो महायुद्ध की विभीषिका ने वैश्विक धरातल पर विचार और चिंतन के क्षेत्र में व्यापक प्रभाव डाला है | हिंदी साहित्य में इस प्रभाव की अभिव्यक्ति विभिन्न रूपों में दिखाई देती है | इसके साथ ही आजादी के बाद देश के अंदर कई चुनौतियाँ भी सामने आई जिन्होंने जनमानस को प्रभावित किया | इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी कविता के स्वरूप एवं संवेदना में हुए इन्हीं परिवर्तनों का अध्ययन करेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी रुसी क्रांति एवं द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद हुए वैश्विक सामाजिक परिवर्तनों से परिचित होंगे |
- आधुनिक हिंदी कविता के विकास क्रम को समझ सकेंगे |
- प्रगतिवाद और प्रयोगवाद जैसे साहित्यिक आंदोलनों की जानकारी हासिल करेंगे |
- अस्तिववादी दर्शन एवं हिंदी कविता पर उसके प्रभाव को समझ सकेंगे |
- नयी कविता के कवियों एवं उनकी काव्य प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

कोर्स की विषय-वस्तु :

इकाई - 1 काव्य आन्दोलन एवं प्रवृत्तियां (अधिमान 8%)

1. प्रगतिशील काव्य आन्दोलन : परिस्थितियाँ, उदय एवं विशेषतायें |
2. प्रयोगवादी काव्यधारा : प्रवृत्तियाँ एवं स्वरूप, तार सप्तक, सप्तकों की भूमिका |

इकाई - 2 द्वितीय विश्वयुद्ध एवं आजादी के बाद का बदलता परिवेश (अधिमान 17%)

3. द्वितीय विश्वयुद्ध, भारतीय आजादी और हिंदी कविता |
4. नये मध्यवर्ग का अस्तित्व

5. अस्तित्वाद का प्रभाव,
6. नयी कविता की प्रवृत्तियाँ एवं प्रतिमान

इकाई - 3 स्वातंत्रयोत्तर भारतीय सामाजिक परिस्थितियाँ (अधिमान 17%)

7. स्वाधीनता आन्दोलन : स्वप्न और यथार्थ |
8. युवा पीढ़ी का आक्रोश एवं मोहभंग
9. स्वातंत्रयोत्तर भारतीय समाज और राजनीति का बदलता चेहरा
10. व्यापक जनवाद की आकांक्षा : नये जन आन्दोलन

इकाई - 4 किन्हीं पाँच कवियों का अध्ययन (चयनित पाठ) (अधिमान 58%)

1. प्रतिनिधि कविताएँ - केदारनाथ अग्रवाल, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
2. प्रतिनिधि कविताएँ - नागार्जुन , (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
3. प्रतिनिधि कविताएँ - त्रिलोचन, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
4. तार सप्तक - सं. अज्ञेय, (चयनित पाठ), भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली |
5. दूसरा सप्तक - स. अज्ञेय, (चयनित पाठ), भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली |
6. तीसरा सप्तक - सं. अज्ञेय
7. प्रतिनिधि कविताएँ - अज्ञेय, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
8. प्रतिनिधि कविताएँ - मुक्तिबोध, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
9. प्रतिनिधि कविताएँ - शमशेरबहादुर सिंह, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
10. प्रतिनिधि कविताएँ - रघुवीर सहाय, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
11. धर्मवीर भारती - अँधा युग, राधाकृष्ण प्रकाशन |
12. प्रतिनिधि कविताएँ - फैज अहमद फैज, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, (चयनित पाठ) |
13. संसद से सड़क तक - धूमिल, राजकमल प्रकाशन, (चयनित पाठ) |

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-5 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 काव्य आन्दोलन एवं प्रवृत्तियां
6-15 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 द्वितीय विश्वयुद्ध एवं आजादी के बाद का बदलता परिवेश
16-25	इकाई - 3 स्वातंत्रयोत्तर भारतीय सामाजिक परिस्थितियाँ

(इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	
26-60 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 किन्हीं पाँच कवियों का अध्ययन (चयनित पाठ)

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य - रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

2 प्रगतिवाद और समानान्तर साहित्य - रेखा अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3 आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 मुक्तिबोध रचनावली (खंड 4-5) - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 धर्मवीर भारती ग्रंथावली (खंड 5) - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6 नयी कविता के प्रतिमान - लक्ष्मीकांत वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8 नई कविता : स्वरूप और संवेदना - जगदीश गुप्त, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
9 तारसप्तक से गद्य कविता - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
10 नई कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
11 छठवाँ दशक - विजयदेवनारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
12 आत्मनेपद - अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
13 शुद्ध कविता की खोज - रामधारी सिंह दिनकर
14 अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य - सं. अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली ।
15 अपने-अपने अज्ञेय (दो खंड) - सं. ओम थानवी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
16 अज्ञेय : वागर्थ का वैभव - रमेशचंद्र शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
17 कवियों का कवि शमशेर - रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
18 पेड़ का हाथ - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
19 नागार्जुन की कविता - अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
20 नागार्जुन : रचना प्रसंग और दृष्टि - सं. रामनिहाल गुंजन, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद ।
21 मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
22 मुक्तिबोध की कविताएँ : बिंब-प्रतिबिंब - नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली ।
23 समकालीन काव्य-यात्रा - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
24 त्रिलोचन का कविकर्म - विष्णुचंद्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
25 रघुवीर सहाय का कविकर्म - सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

26 नयी कविता का आत्मसंघर्ष - मुक्तिबोध |
27 एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध |
28 नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - मुक्तिबोध |

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **हिन्दी उपन्यास**			
कोर्स-कोड	MAHIN2002C04	क्रेडिट	04
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (दूसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

इस कोर्स में विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास के स्वरुप एवं विकास के साथ-साथ स्वाधीनता संग्राम और उसके बाद के भारत के गतिशील सामाजिक-सांस्कृतिक यथार्थ एवं उसकी कलात्मक अभिव्यक्तियों का अध्ययन करेंगे ।

अधिगम की उपलब्धियाँ :

पाठ्यक्रम की अवधि पूरी होने पर विद्यार्थी

- नई शब्दावलियों से परिचित हो सकेंगे
- नए मूर्त-अमूर्त विचारों से परिचित होकर जीवन की समझ बनाने में समर्थ हो सकेंगे
- उपन्यास के किसी पात्र से सहानुभूति रखकर जीवन में मानवीय संवेदना का विस्तार करेंगे ।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 :** **(अधिमान 15%)**

  भारतीय आख्यान-परंपरा : लोककथा और किस्सागोई
  उपन्यास की अवधारणा : वैश्विक एवं भारतीय
  उपन्यास के सिद्धांत एवं स्वरुप
  हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास
  हिन्दी उपन्यास-आलोचना का विकास

- **इकाई - 2 :** **(अधिमान 35%)**

  (निम्नांकित में से किन्हीं दो उपन्यासकारों का एक-एक उपन्यास)

लाला श्रीनिवासदास, ब्रजनंदन सहाय, ठाकुर जगन्मोहन सिंह, देवकीनंदन खत्री, वृन्दावन लाल वर्मा, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय, यशपाल

- **इकाई - 3 :** **(अधिमान 50%)**

  (निम्नांकित में से किन्हीं तीन उपन्यासकारों का एक-एक उपन्यास)

हजारीप्रसाद द्विवेदी, नागार्जुन, फणीश्वरनाथ रेणु, अमृतलाल नागर, भगवतीचरण वर्मा, कमलेश्वर, भीष्म साहनी, राही मासूम रज़ा, श्रीलाल शुक्ल, निर्मल वर्मा, रांगेय राघव, कृष्णा सोबती, मन्नू भंडारी, उषा प्रियंवदा, मनोहर श्याम जोशी

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
0-10 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 :
10-30 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 :
30-60 (इनमें से 8 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 :

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. कथासरित्सागर (तीन खंड) - बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
2. पंचतंत्र - विष्णुशर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
3. कादंबरी - बाणभट्ट, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
4. दशकुमारचरितम् - दंडी, मोतीलाल बनारसीदास, पटना
5. भारत की लोक कथाएँ - सं. ए. के. रामानुजन, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
6. भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोक-कथाएँ - सं. शरद सिंह, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
7. प्रेमचंद-पूर्व के हिंदी उपन्यास - ज्ञानचंद जैन, आर्य प्रकाशन मंडल, नई दिल्ली
8. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. साहित्य और संस्कृति - अमृतलाल नागर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
10. हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. अठारह उपन्यास - राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (खंड - 8) - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
13. हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. सदल मिश्र ग्रंथावली - सदल मिश्र, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

15. तिलिस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद-विरोधी चरित्र - प्रदीप सक्सेना, शिल्पायन, दिल्ली

16. प्रेमचंद - रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

17. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

18. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

19. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन - शंभुनाथ, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

20. प्रेमचंद के विचार (तीन खंड) - प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

21. प्रेमचंद और भारतीय समाज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

22. प्रेमचंद: विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

23. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र - नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

24. प्रेमचंद - नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

25. प्रेमचंद: एक साहित्यक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

26. हिंदी उपन्यास: विशेषतः प्रेमचंद - नलिनविलोचन शर्मा, ज्ञानपीठ प्रा0 लि0, पटना

27. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

28. प्रसाद और उनका साहित्य - विनोदशंकर व्यास, हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी

29. प्रसाद का गद्य साहित्य - राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

30. हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (खंड -12) - नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी

31. प्रेमचंद: सामंत का मुंशी - धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

32. प्रेमचन्द - हंसराज रहबर

33. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (खंड 12) - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

34. जैनेन्द्र की आवाज - सं. अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली

35. उपन्यास की संरचना - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

36. उपन्यास: स्वरूप और संवेदना - राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

37. उपन्यास की समकालीनता - ज्योतिष जोशी

38. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता - वीरेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

39. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया - देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

40. कथा-शेष - ज्ञानचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

41. शांतिनिकेतन से शिवालिक तक - सं. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

42. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

43. हिंदी उपन्यास: पहचान और परख - इंद्रनाथ मदान

44. उपन्यास और लोक जीवन - रैल्फ फॉक्स, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, जयपुर

45. उपन्यास के पक्ष - ई.एम.फास्टर, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

46. उपन्यास-लेखन शिल्प - सं. ए.एस. ब्युरैक, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

47. उपन्यास का उदय - ऑयन वाट, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

48. दलित चेतना की कहानियाँ: बदलती परिभाषाएँ - राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

49. गोरा - रवीन्द्रनाथ ठाकुर, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

50. छिन्नमस्ता - इंदिरा गोस्वामी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

51. अध-चाँदनी रात - गुरदयाल सिंह, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला

52. महाश्वेता देवी के उपन्यास - राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

53. संस्कार - यू.आर. अनन्तमूर्ति, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

54. आग का दरिया - कुर्रतुल ऐन हैदर, किताब महल, इलाहाबाद

55. कालम - एम.टी. वासुदेवन नायर, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

56. मृत्युंजय - बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

57. माटीमटाल - गोपीनाथ महान्ती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

58. सहस्रफण - विश्वनाथ सत्यनारायण, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

59. अछूत - दया पवार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

60. कोसला - भालचंद्र नेमाडे, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

61. ढोड़ाय चरितमानस - सतीनाथ भादुड़ी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

62. जैनेन्द्र - जगदीश पाण्डेय

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **हिंदी नाटक एवं रंगमंच**			
कोर्स-कोड	MAHIN2003C04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(**L**)+ट्यूटोरियल(**T**)+प्रायोगिक(**P**)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम(दूसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स के उद्देश्य :

नाटक और रंगमंच के इस कोर्स के माध्यम से हिंदी नाटक की परंपरा और उसके विकास का अध्ययन करेंगे | छात्र नाटक के विभिन्न सिद्धांतों का अध्ययन करते हुए रंगमंच और उसके सामाजिक सरोकार से परिचित होंगे तथा अभिनय के महत्व को समझ सकेंगे | छात्र स्वतन्त्रतापूर्व और स्वतंत्रता पश्चात् हिंदी नाटकों की प्रकृति और प्रवृत्तियों का अध्ययन करेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी नाटक के अर्थ, प्रकार,तत्व एवं सिद्धांत की जानकारी प्राप्त करेंगे |
- रंगमंच के स्वरूप, सिद्धांत एवं उसके विकास क्रम को समझ सकेंगे |
- सामाजिक चेतना के विकास में नाटक एवं रंगमंच के अवदान को समझ सकेंगे |
- आधुनिक हिंदी नाटक, रंगमंच के विकास एवं उसके प्रयोग को समझ सकेंगे |
- अभिनय के सिद्धांत एवं उसके महत्व को समझ सकेंगे |

कोर्स की विषय-वस्तु :

इकाई - 1 नाटक एवं रंगमंच : स्वरूप एवं सिद्धांत (अधिमान 17%)

1. नाटक : अर्थ, प्रकार, एवं तत्व
2. रंगमंच : अर्थ एवं प्रकार
3. प्राचीन नाटक के सिद्धांत : भारतीय एवं भारतीयेतर

इकाई - 2 हिंदी नाटकों की परंपरा एवं विकास (अधिमान 17%)

1. स्वतन्त्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच
2. लोक नाट्य परंपरा एवं पारसी रंगमंच
3. भारतेंदु के नाटक
4. प्रसाद के नाटक

इकाई - 3 स्वातंत्रयोत्तर हिंदी नाटक : स्वरूप एवं प्रवृत्ति (अधिमान 25%)

1. स्वातंत्रयोत्तर हिंदी नाटक और रंगमंच
2. आपातकाल और उसके बाद का हिंदी रंग परिदृश्य
3. नुक्कड़ नाटक : स्वरूप एवं प्रवृति
4. काव्य नाटक : स्वरूप एवं प्रवृति
5. मोहन राकेश के नाटक
6. भीष्म साहनी के नाटक

इकाई - 4 (अधिमान 41%)

(स्वतन्त्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक में से क्रमशः किन्हीं दो एवं किन्हीं तीन नाटकों का अध्ययन)

1. इंदरसभा - अमानत लखनवी, नटरंग प्रतिष्ठान, नयी दिल्ली |
2. अँधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
3. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
4. कारवाँ तथा अन्य एकांकी - भुनेश्वर, (दो चयनित एकांकी), लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
5. कोणार्क - जगदीश चन्द्र माथुर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली |
6. अंधा युग - धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहबाद |
7. आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश, राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली |
8. मादा कैक्टस - लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली |
9. बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली |
10. हानूश - भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली |
11. आगरा बाजार/चरणदास चोर - हबीब तनवीर, वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली |
12. कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली |
13. सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक - सुरेन्द्र वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली|

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-10 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 नाटक एवं रंगमंच : स्वरूप एवं सिद्धांत
11-20 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 हिंदी नाटकों की परंपरा एवं विकास
21-35 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 स्वातंत्रयोत्तर हिंदी नाटक : स्वरूप एवं प्रवृत्ति
36-60 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 स्वतन्त्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक में से क्रमशः किन्हीं दो एवं किन्हीं तीन नाटकों का अध्ययन

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1 हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली ।
2 भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास-परंपरा - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3 भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4 रंगदर्शन - नेमिचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5 नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6 भारतेंदु - शिवनंदन सहाय, हिंदी समिति, लखनऊ ।
7 भारतेंदु हरिश्चंद्र - ब्रजरत्नदास, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
8 नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना - सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9 इंदरसभा की परंपरा - मो. शाहिद हुसैन, सीमांत प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10 परंपराशील नाट्य - जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना ।
11 नाटककार जयशंकर प्रसाद - सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
12 प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
13 जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि (दो खंड) - महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
14 भारत के लोकनाट्य - शिवकुमार मधुर
15 लोकधर्मी नाट्य परंपरा - श्याम परमार
16 लखनऊ का अवामी स्टेज - सैयद मसूद हसन रिजवी

17 पारसी थियेटर – लक्ष्मीनाराण लाल, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली ।
18 पारसी थियेटर : उद्‌भव और विकास – सोमनाथ गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
19 रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
20 अंतरंग बहिरंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
21 पढ़ते सुनते देखते – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
22 रंगमंच के सिद्वांत – महेश आनंद, देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

23 हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (खंड 11) – नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
24 नाट्यदर्पण – मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
25 दृश्य-अदृश्य – नेमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
26 तीसरा पाठ – नेमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
27 दूसरे नाट्यशास्त्र की खोज – देवेन्द्रराज अंकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
28 रंग स्थापत्य : कुछ टिप्पणियाँ – एच.वी. शर्मा, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली ।
29 हे सामाजिक – सुरेश अवस्थी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली ।
30 रंगमंच का जनतंत्र – हृषीकेश सुलभ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
31 हिंदी नाटक और रंगमंच – सं. रामकुमार वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
32 रंगभाषा – गिरीश रस्तोगी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली ।
33 हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
34 आधुनिकालीन भारतीय नाट्य-विमर्श – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
35 नाटककार : जगदीशचंद्र माथुर – गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
36 अंधा युग : पाठ और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
37 मोहन राकेश : रंग-शिल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
38 नाट्य प्रस्तुति : एक परिचय – रमेश राजहंस, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
39 कहानी का रंगमंच – सं. महेश आनंद
40 रंगमंच - बलवंत गार्गी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
41 रंग हबीब : : भारत रत्न भार्गव, रा.ना.वि. नयी दिल्ली |

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **निबंध और विविध गद्य रूप**			
कोर्स-कोड	MAHIN2004C04	क्रेडिट	04
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (दूसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

आधुनिक काल में हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का आरंभ होता है । ये विधाएँ गद्य के विविध रूपों से हमें परिचित कराती हैं और हमारे साहित्यक अनुभव का विस्तार करती हैं । इस कोर्स में विद्यार्थी निबंध तथा विविध गद्ये-रूपों के स्वरूप, विकास एवं दृष्टियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे और विविध गद्य-रूपों के अध्ययन से हिंदी के साहित्यिक विकास की बृहत्तर संस्कृति से जुड़ सकेंगे ।

अधिगम की उपलब्धियाँ :

पाठ्यक्रम की अवधि पूरी होने पर विद्यार्थी

- आधुनिक हिन्दी गद्य के सौंदर्य का आस्वादन कर सकेंगे ।
- नए आदर्शों, मूल्यों और विमर्शों से परिचित होकर जीवन की समझ बनाने में समर्थ हो सकेंगे।
- नए युग के प्रश्नों से सहानुभूति रखकर जीवन में मानवीय संवेदना का विस्तार कर सकेंगे।
- युग के अनुरूप नई भाषा के सुसंस्कृत प्रयोग का बोध प्राप्त कर सकेंगे।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 :** **(अधिमान 50%)**
  - निबंध : स्वरूप एवं विकास
  - **पाठ** : (किन्हीं पाँच निबंधकारों के एक-एक निबंध का अध्ययन)
    1. बालकृष्ण भट्ट
    2. भारतेंदु हरिश्चंद्र
    3. प्रताप नारायण मिश्र
    4. बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

5. चंद्रधर शर्मा गुलेरी
6. महावीरप्रसाद द्विवेदी
7. रामचंद्र शुक्ल
8. रामवृक्ष बेनीपुरी
9. हजारीप्रसाद द्विवेदी
10. विद्यानिवास मिश्र
11. कुबेरनाथ राय
12. निर्मल वर्मा
13. वासुदेव शरण अग्रवाल
14. राम मनोहर लोहिया

- **इकाई - 2 :** **(अधिमान 50%)**

विविध गद्य : स्वरूप एवं विकास

निम्नांकित कृतियों में से चयनित विविध गद्य-रूपों का **पाठ**

(किन्हीं तीन पाठों का अध्ययन)

1. अपनी खबर - पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. क्या भूलूँ क्या याद करूँ - हरिवंश राय बच्चन, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
3. कलम का सिपाही - अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद
4. निराला की साहित्य साधना (पहला भाग)-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड संस
6. वे दिन, वे लोग (निराला पर लिखे संस्मरण) - शिवपूजन सहाय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. स्मृतिलेखा - अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

8. स्मृति की रेखाएँ - महादेवी वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. दिनकर की डायरी - रामधारी सिंह दिनकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी के पत्र - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मुक्तिबोध रचनावली में संगृहीत मुक्तिबोध के पत्र - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. एक बूँद सहसा उछली - अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
13. अरे यायावर रहेगा याद - अज्ञेय
14. माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनीपुरी
15. ग़ालिब के पत्र- सूचना विभाग, भारत सरकार
16. अबलाओं का इन्साफ - स्फुरणा देवी, सम्पादक नैया, राधाकृष्ण-प्रकाशन, दिल्ली
17. मेरा बचपन मेरे कन्धों पर - श्योराज सिंह बेचैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. हरिशंकर परसाई - चयनित पाठ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. हिंदी हास्य-व्यंग्य संकलन - सं. श्रीलाल शुक्ल, प्रेम जनमेजय, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
20. वह भी कोई देश है महराज - अनिल यादव, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
0-30 (इनमें से 7 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 : निबंध
30-60 (इनमें से 8 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 : विविध गद्य रूप

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (खंड 13) - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. बालकृष्ण भट्ट के श्रेष्ठ निबंध - सं. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. बालकृष्ण भट्ट: प्रतिनिधि संकलन - सं. सत्यप्रकाश मिश्र, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
4. बाबू श्याम सुंदरदास के निबंधों का संग्रह - सं. विद्यानिवास मिश्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ ।
5. महावीरप्रसाद द्विवेदी रचनावली (खंड 2) - सं. भारत यायावर, किताब घर, नई दिल्ली
6. चिंतामणि (भाग 1) - रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस प्रा.लि., इलाहाबाद
7. चिंतामणि (भाग 2) - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. चिंतामणि (भाग 3) - रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. चिंतामणि (भाग 4) - रामचंद्र शुक्ल, आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान, वाराणसी
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल आलोचना का अर्थ: अर्थ की आलोचना - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. गुलाब राय के निबंध संग्रह - आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली
13. हजारीप्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. व्योमकेश दरवेश - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. निर्मल वर्मा के निबंध संग्रह - भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
16. आस्था के चरण (दो भाग) - नगेन्द्र, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
17. निबंध निलय, सम्पादक -डॉ. सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. आत्मकथा की संस्कृति - पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
19. प्रेमचंद घर में - शिवरानी देवी, रोशनाई प्रकाशन, काँचरापाड़ा, चैबीस परगना, पश्चिम बंगाल
20. कलम का मजदूर: प्रेमचंद - मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. अनकहा निराला - जानकीवल्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
22. कविवर बच्चन के साथ - अजित कुमार, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

23. 'उग्र' का परिशिष्ट - सं. भवदेव पाण्डेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

24. अज्ञेय: कुछ रंग, कुछ राग - श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

25. देश के इस दौर में - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

26. तुम्हारा परसाई - कांति कुमार जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

27. उपेक्षित समुदायों का आत्म इतिहास - सं. बद्रीनारायण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

28. गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद

29. व्यंग्य-साहित्य का इतिहास - सुभाष चन्दर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

30. व्यंग्य का सौंदर्यशास्त्र - मलय

31. दलित साहित्य का समाज शास्त्र- हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

32. डॉ. नगेन्द्र - निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **हिन्दी भाषा-दक्षता**			
कोर्स-कोड	MAHIN2001E04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (दूसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को भाषा-शिक्षण की संकल्पना और उसकी विभिन्न प्रविधियों का ज्ञान देना
2. हिन्दी भाषा के विभिन्न शिक्षण-सन्दर्भों से अवगत कराना
3. भाषा-दक्षता के विभिन्न आयामों के सन्दर्भ में भाषा-शिक्षण
4. उनमें भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन की समझ विकसित करना।

अधिगम की उपलब्धियाँ :

1. इस पत्र के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थी विविध भाषाई कौशलों से समृद्ध होंगे।
2. हिन्दी भाषा के प्रयोग का कौशल उनमें विविध प्रयोजनमूलक क्षेत्रों में रोजगार-प्राप्ति की सम्भावना जगाएगा।
3. उनकी भाषिक दक्षता साहित्यिक बोध और आस्वादपरकता को उत्प्रेरित करेगी।
4. उनकी भाषिक समृद्धि उनकी सुसंस्कृत नागरिकता को सँवारने में सहायक होगी।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई-1 : भाषा-शिक्षण : संकल्पना और सन्दर्भ (अधिमान 20%)**
  - भाषा और परिवेश, भाषा-शिक्षण और उसके विविध सन्दर्भ
  - भाषा-शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ, सामान्य और विशिष्ट प्रयोजनों के लिए भाषा-शिक्षण
  - हिन्दी-शिक्षण के विविध सन्दर्भ :- मातृभाषा के रूप में शिक्षण, द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी-शिक्षण; विदेशों में (विदेशी भाषा के रूप में) हिन्दी-शिक्षण
- **इकाई-2 : भाषाई दक्षता की संकल्पना (अधिमान 20%)**
  - भाषाई दक्षता और उसके विविध आयाम
  - भाषाई दक्षता : मनोवैज्ञानिक और व्याकरणिक सन्दर्भ
  - भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण
  - भाषाई कौशलों के विकास की प्रविधि (अभ्यास, विच्युति और संशोधन)
- **इकाई-3 : भाषाई दक्षता के विकास के आयाम (अधिमान 30%)**
  - भाषिक संरचना की समझ

- शब्द-सामर्थ्य का विकास
- श्रवण (सुनना) और भाषण (बोलना)
- वाचन (पढना) और लेखन (लिखना)

➢ **इकाई-4 : भाषा-शिक्षण का तकनीकी पक्ष (अधिमान 20%)**

- भाषा-शिक्षण में तकनीकी साधनों की भूमिका
- भाषा-शिक्षण में विभिन्न तकनीकी उपकरणों का प्रयोग
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- भाषा-प्रयोगशाला और उसका अनुप्रयोग

➢ **इकाई-5 : भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन (अधिमान 10%)**

- भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन के प्रकार

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-12 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 : भाषा-शिक्षण : संकल्पना और सन्दर्भ
13-24 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 : भाषाई दक्षता की संकल्पना
25-42 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 : भाषाई दक्षता के विकास के आयाम
43-54 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 : भाषा-शिक्षण का तकनीकी पक्ष
55-60 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 5 : भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. भाषा-शिक्षण तथा भाषाविज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा + न.वी.राजगोपालन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
2. हिन्दी-भाषा-शिक्षण – भोलानाथ तिवारी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
3. अच्छी हिन्दी कैसे बोलें, कैसे लिखें ? - भोलानाथ तिवारी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
4. अच्छी हिन्दी - रामचन्द्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भाषा-शिक्षण - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. भाषा-शिक्षण : सिद्धान्त और प्रविधि – मनोरमा गुप्त, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
7. हिन्दी-शिक्षण : नये भविष्य की तलाश – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
8. अंग्रेज़ी-हिन्दी शब्दों का ठीक प्रयोग - कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
9. लेखन-कला और रचना-कौशल – गोर्की + फेदिन + मायाकोवस्की, जनचेतना, लखनऊ
10. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
11. भाषा और व्यवहार – ब्रजमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. सम्प्रेषणपरक हिन्दी भाषा-शिक्षण – वैश्ना नारंग, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

13. शुद्ध हिन्दी कैसे सीखें?–राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा, भारती भवन, पटना
14. भाषा एवं भाषा-शिक्षण– रमाकान्त अग्निहोत्री, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. भाषा और अधिगम –जेम्स ब्रिटन, ग्रंथशिल्पी (इण्डिया) प्रा.लि., दिल्ली
16. कम्प्यूटर एसिसटेड लैंग्वेज लर्निंग, मीडिया डिजाइन एंउ एप्लीकेशंस - कीथ कैमेरॉन

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक: कम्प्यूटर, सोशल मीडिया और हिंदी			
कोर्स कोड	MAHIN2002E04	क्रेडिट	4
L(व्याख्यान) **+ T**(ट्यूटोरियल) **+ P** (प्रायोगिक)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	**सम (दूसरा)**	शिक्षण के घंटे	45 (L) + 15 (T) **घंटे**
शिक्षण विधि	➢ संवाद-शैली |समूह चर्चा| विद्यार्थी केन्द्रित प्रस्तुतिकरण| ➢ सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक, विवेचनात्मक और पद्धति का अनुप्रयोग | ➢ उपचारात्मकशिक्षण | ➢ कम्प्यूटर और प्रोजेक्टर का अनुप्रयोग |		
मूल्यांकन	➢ 30% 'सतत आंतरिक मूल्यांकन' ➢70% - 'सत्रांतपरीक्षा' विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा।		

कोर्स का उद्देश्य :

वर्तमान समय में हिंदी की दुनिया का बहुत विस्तार हुआ है.हिंदी ज्ञान-विज्ञान की भाषा के साथ-साथ संचार और तकनीक की भाषा के रूप में भी विकसित एवं स्थापित हो रही है. कम्प्यूटर के बिना आज की शिक्षा अधूरी है. वह साहित्य,कला, संस्कृति, समाज आदि विविध क्षेत्रों में अपनी जगह बना चुका है.हिंदीभाषा और साहित्य का समकालीन लेखन अब कम्प्यूटरीकृत है. सोशल मीडिया ने साहित्य के पठन-पाठन को बहुत आसान बना दिया है. अब मुख्यधारा की साहित्यिक बहसें उसका अनिवार्य पहलू है. सोशल मीडिया के लेखन ने हिंदी को वैश्विक पटल दिया है. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से आधुनिक तकनीकि और उनके अनुप्रयोग को भाषा और साहित्य के परिप्रेक्ष्य में जान समझ सकेंगे.

अधिगम की उपलब्धियाँ:

- कम्प्यूटर का व्यावहारिक अनुप्रयोग जान सकेंगे
- भाषा और साहित्य में कम्प्यूटर की उपयोगिता जान पायेंगे
- सोशल मीडिया के माध्यम से रचनात्मक लेखन से परिचित हो पायेंगे

कोर्स की विषय-वस्तु :

➢ इकाई - 1 : **कम्प्यूटर-अनुप्रयोग और हिन्दी-भाषा** अधिमान 26%

- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- हिंदीशिक्षण में कम्प्यूटर का उपयोग
- एम.एस.ऑफिस, पी.पी.टी.,
- सोशल साइट, ब्लॉग, हिंदी-अंग्रेजी फांट

➢ **इकाई –2** अधिमान 20%

- इन्टरनेट का इतिहास

➢ **इकाई – 3** अधिमान 20%

- सोशल मीडिया : संक्षिप्त इतिहास
- सोशल मीडिया के विविध आयाम
- सोशल मीडिया : साहित्य और संस्कृति
- मुख्यधारा का लेखन बनाम सोशल मीडियालेखन
- हिंदी की विविध पत्रिकाएं एवं उनके वेब पोर्टल

- **इकाई – 4 :** अधिमान 27%
  - ब्लॉग लेखन
  - न्यू सोशल मीडिया लेखन, शक्ति एवं सीमाएं

इकाई-5 अधिमान 07%
- सोशल मीडिया प्रबंधन
- नैतिकता और सोशल मीडिया

शिक्षण योजना :

	इकाई/विषय/उपविषय
1-12 इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 1
12-28 इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 2
28-41 इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई –3
41– 54 इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई –4
54- 60 इनमें से 1घंटा ट्यूटोरियल	इकाई – 5

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. जनसंचार: विविध आयाम - ब्रजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. जनमाध्यम सम्प्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
3. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य - जवरीमल्ल पारख, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
4. संस्कृति विकास और संचार क्रान्ति - पूरनचंद्र जोशी, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
5. जनमाध्यम और मास कल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. जनसंचार 21वीं सदी - (सं.) कुमार आदर्श वर्मा, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली।
7. संचार माध्यम (पत्रिका) - भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली।

8. सूचना क्रान्ति की राजनीति और विचारधारा - सुभाष धूलिया, ग्रंथ षिल्पी, दिल्ली।

9. प्रायोगिक हिन्दी – सं. रमेश गौतम, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, हैदराबाद

10. अभिव्यक्ति और माध्यम – सं. सन्ध्या सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

11. जनसंचार-माध्यमों में हिन्दी – चन्द्र कुमार, क्लासिक पब्लिशिंग, दिल्ली

12. जनसंचार के पारम्परिक माध्यमों का उद्भव और विकास – मुक्तिनाथ झा, भावना प्रकाशन, दिल्ली

13. साहित्यिक पत्रकारिता का साधु-संग्राम – शिवनारायण, भावना प्रकाशन, दिल्ली

14. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास – जे.नटराजन, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, दिल्ली

15. सूचना-प्रौद्योगिकी (फ़ाउण्डेशन कोर्स) – सम्पादक-मण्डल द्वारा सम्पादित, यूनिवर्सिटीज प्रेस (इण्डिया) प्रा.लि., हिमायत नगर, हैदराबाद

16. हिन्दी वेब-साहित्य – सुनील कुमार लवटे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

17. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

18. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

19. जनसंचार-माध्यम : भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी, जयपुर विश्वविद्यालय प्रकाशन, जयपुर

20. कम्प्यूटर क्या है ? – गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

21. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

22. भाषा और प्रौद्योगिकी – विनोद प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

23. भाषा और सूचना-प्रौद्योगिकी – अमरसिंह वधान,भावना प्रकाशन, दिल्ली

24. कम्प्यूटर-प्रयोग और हिन्दी - अमरसिंह वधान, भावना प्रकाशन, दिल्ली

25. जनसंचार का समाजशास्त्र – लक्ष्मेन्द्र चोपड़ा, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)

26. मीडिया, इतिहास और हाशिये के लोग – अजय कुमार सिंह, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)

27. सोशल नेटवर्किंग : कल और आज, रिगीपब्लिकेशन, दिल्ली, लेखक –राकेश कुमार

28. आनलाइन मीडिया, सुरेश कुमार, पियरसन प्रकाशन, दिल्ली

29. अनुशंसित ग्रंथ:

30. कम्प्यूटर प्रवेशिका - अरुण कमार अग्रवाल एवं कृष्णमूर्ति, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

31. कम्प्यूटर्स इन ब्राॅडकास्ट एण्ड केबिल न्यूजरूम्स - फिलिप ओ. कीरस्टीड, लारेन्स अल्बर्म एसोशिएट्स।

32. कम्प्यूटर और हिन्दी - डाॅ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

33. सूचना तकनीक - विष्णु प्रिया सिंह, एशियन पब्लिकेशन, दिल्ली।

34. आज का युग: इंटरनेट का युग - विनीता सिंघल, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।

35. कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास - रामबंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

36. कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान एवं यूजर गाइड - रामबंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

37. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **विज्ञापन और हिंदी**			
कोर्स-कोड	MAHIN2001S00	क्रेडिट	00
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (पहला)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को 'विज्ञापन' की अवधारणा और विविध माध्यमों के सन्दर्भ में 'विज्ञापन' के बहुविध स्वरूप का बोध कराना
2. विज्ञापन एवं उससे संबंधित क्षेत्रों में बेहतर निर्णय लेने में सहायक अवधारणाओं, सिद्धान्तों और कार्य-प्रक्रियाओं का ज्ञान देना
3. 'विज्ञापन' के भाषिक और भाषेतर पहलुओं की जानकारी देना
4. व्यावासायिक और सामाजिक (जनहितकारी) विज्ञापनों और उनकी प्रक्रिया से अवगत कराना
5. 'विज्ञापनों' में प्रयुक्त भाषा की बुनावट और विशिष्टता का बोध कराना
6. हिन्दी भाषा के माध्यम से विविध-आयामी विज्ञापन-लेखन का अभ्यास कराना

अधिगम की उपलब्धियाँ :

1. इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में संस्थागत नीतियों व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उपयोगी विभिन्न प्रक्रियाओं के समन्वयन की क्षमता विकसित होगी।
2. उनमें समर्थ और सार्थक विज्ञापन-रचना के विविध कौशलों का विकास होगा, जो उन्हें प्रत्यक्ष रूप से रोजगार-उन्मुख बनाएगा।
3. वे 'विज्ञापनों' में अभिव्यक्त इतिहास, संस्कृति, सामाजिक ताने-बाने आदि को समझ सकेंगे।
4. उनमें 'विज्ञापन' की बुनावट में काव्य की संवेदना और शिल्प की तलाश की प्रवृत्ति का उभार होगा, जिससे वे अपने भाषाई व्यवहार के प्रति अधिक जागरुक, मानवीय और सर्जनात्मक होंगे।
5. उनमें 'विज्ञापनों' से भरे समाज के प्रति चेतना के साथ सामाजिक सन्दर्भ में 'अच्छे' और 'बुरे' विज्ञापनों को परखने की तमीज विकसित होगी, जिससे वे (लिंग, जाति, वर्ग, नस्ल, क्षेत्र आदि से सम्बद्ध) विविध सामाजिक पूर्वग्रहों व स्तरीकरणों को शिथिल करने में रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई -1 : विज्ञापन : अवधारणा और स्वरूप (अधिमान 25%)**
  - ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
  - विज्ञापन : एक प्रभावी जनसंचार विधा
  - विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य और महत्त्व

- विज्ञापन के व्यावसायिक तथा सामाजिक उद्देश्य
- विज्ञापन का अर्थशास्त्र और उपभोक्ता-व्यवहार
- विज्ञापनों का समाज पर प्रभाव
- विज्ञापन : वर्गीकरण, अंग और सिद्धान्त
- विज्ञापन : नैतिकता, कानून और आचार-संहिता
- सामाजिक विज्ञापन

➢ **इकाई - 2 : विज्ञापन और विविध माध्यम (अधिमान 25%)**

- मुद्रण व डिजिटल माध्यम [दृश्य, श्रव्य और दृश्य-श्रव्य माध्यम] तथा विज्ञापन
- विज्ञापन-माध्यम का चयन
- उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन-अभियान में माध्यम-योजना (मीडिया प्लानिंग)
- विज्ञापन-एजेंसी : संरचना, प्रक्रिया और प्रबन्धन
- हिन्दी विज्ञापनों से सम्बद्ध प्रमुख एजेंसियाँ
- मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण

➢ **इकाई - 3 : विज्ञापन की भाषा और हिन्दी (अधिमान 25%)**

- विज्ञापन की भाषा : स्वरूप और वैशिष्ट्य
- प्रभावशाली विज्ञापन हेतु भाषिक अर्हता
- हिन्दी-विज्ञापनों की भाषा : संरचनात्मक और शैलीवैज्ञानिक अध्ययन
- हिन्दी-विज्ञापनों के भाषिक पक्ष (सादृश्य-विधान, अलंकरण, तुकांतता, विचलन, भाषा-संकरण,मुहावरे-लोकोक्तियाँ आदि)

➢ **इकाई - 4 : विज्ञापन-रचना और अभ्यास (अधिमान 25%)**

- रचनात्मक लेखन और विज्ञापन-रचना
- विज्ञापन-रचना के विविध पहलू और प्रक्रियाएँ
- मुद्रित विज्ञापनों की रचना का अभ्यास (अखबार, पोस्टर, होर्डिंग आदि)
- डिजिटल माध्यम के विज्ञापनों की रचना का अभ्यास (रेडियो, दूरदर्शन,इण्टरनेट और सोशल मीडिया)
- उक्त विषयों से सम्बद्ध परियोजना-कार्य

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-15 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 : विज्ञापन : अवधारणा और स्वरूप
16-30 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 : विज्ञापन और विविध माध्यम
31-45 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 : विज्ञापन की भाषा और हिन्दी
46-60 (इनमें से 4घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 : विज्ञापन-रचना और अभ्यास

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. जन-माध्यमों का मायालोक – नोएम चॉम्स्की, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन प्रा.लि., दिल्ली

2. अभिव्यक्ति और माध्यम – सं. सन्ध्या सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
3. जनसंचार-माध्यमों में हिन्दी – चन्द्र कुमार, क्लासिक पब्लिशिंग, दिल्ली
4. टेलीविज़न की भाषा – हरीशचन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. विज्ञापन और जनसम्पर्क - जयश्री जेठवानी एवं अन्य, सागर पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
6. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धान्त - नरेन्द्र सिंह यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
7. हिन्दी विज्ञापनों की भाषा - आशा पाण्डेय, ब्लेकी एण्ड पब्लिशर्स प्रा.लि., दिल्ली ।
8. विज्ञापन - अशोक महाजन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।
9. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार - विजय कुलश्रेष्ठ एवं प्रतुल अथइया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
10. विज्ञापन : सिद्धान्त और प्रयोग - विजय कुलश्रेष्ठ, माया प्रकाशन मंदिर, जयपुर
11. जनसम्पर्क, प्रचार एवं विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर
12. भारतीय विज्ञापन में नैतिकता - मधु अग्रवाल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
13. विज्ञापन कला - एकेश्वर प्रसाद हटवाल, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
14. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला - रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
15. पत्रकारिता, जनसंचार और विज्ञापन - गुलाब कोठारी, यूनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर
16. विज्ञापन-कला – मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. विज्ञापन-प्रबन्धन - निशान्त सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन्स, दिल्ली
18. विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
19. संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य-बोध - कृष्ण कुमार रत्तू
20. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
21. मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल
22. विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी
23. डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
24. हिन्दी इन एडवरटाइजिंग - सुरेश कुमार
25. Advertising Principles Choice Challenge Change **- BERGD BG,** NTC Business Book, USA, 1999)
26. Advertising and Marketing in Rural India **- TEJ K. BHATIA,** Macmillan India Ltd.
27. Making of Advertising **- SUBHASH GHOSAL,** McMillan India Ltd.
28. Advertising management- **JETHWANEY JAISHRI,**Oxford University Press
29. Advertising Management - **JETHWANEY JAISHRI & JAIN SHRUTI,** Oxford University Press
30. Advertising as multilingual communication - **KELLY-HOLMES HELEN,** Paulgrave macmillan, New York, 2005)
31. Advertising Basics - **J. V. VILANILAM & A.K. VERGHESE,** Sage Publications, India, 2012)

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : **प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य**			
कोर्स कोड MAHIN3001C04		क्रेडिट	4
व्याख्यान(L) + ट्यूटोरियल(T) + प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (तीसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, समूह-चर्चा; स्वाध्याय, संगोष्ठी, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति |		
मूल्यांकन विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

- मध्यकाल की अवधारणा समझ सकेंगे |
- विभिन्न मध्यकालीन धर्म-साधनाओं की धाराओं से परिचित हो सकेंगे |
- दरबार और लोक के रिश्ते का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- ललित कलाओं के साथ प्राचीन मध्यकालीन हिंदी काव्य के संबंध को जान पाएँगे |
- उर्दू शायरी और मध्यकालीन हिंदी काव्य की सांस्कृतिक विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे |
- अवधी और ब्रजभाषा की व्याकरणिक विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के पाठ का साक्षात्कार करते हुए हिंदी कविता की व्यापकता को समझ सकेंगे |
- भारत की सामासिक संस्कृति की विशेषताओं को आत्मसात कर सकेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी में मध्यकाल और सामासिक भारतीय संस्कृति की अवधारणात्मक समझ विकसित होगी |
- अवधी और ब्रजभाषा की व्याकरणिक विशेषताओं के ज्ञान से इन विषयों में शोध क्षमता विकसित हो सकेगी |
- ललित कलाओं से साहित्य का संबंध जान लेंगे |
- उर्दू शायरी का सामान्य परिचय प्राप्त कर लेंगे |
- प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की रचनाओं के पाठ आधारित अध्ययन से इन विषयों में शोध क्षमता विकसित हो सकेगी |

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1** **अधिमान (25%)**
  - हिंदी साहित्य के संदर्भ में मध्यकाल की अवधारणा
  - मध्यकालीन धर्म-साधना की विभिन्न धाराएँ
  - दरबार और लोक के रिश्ते
  - ललित कलाएँ एवं प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य
  - उर्दू शायरी और मध्यकालीन हिंदी काव्य की सांस्कृतिक विशेषताएँ
  - अपभ्रंश, मैथिली, अवधी और ब्रजभाषा की व्याकरणिक विशेषताएँ
- **इकाई - 2 (निम्नांकित में से किन्हीं दो रचनाओं के अध्ययन अनिवार्य)** **अधिमान (33%)**
  1. `हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग' (- नामवर सिंह) के परिशिष्ट में दिया गया दोहा-संग्रह (चयनित पाठ) – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
  2. संदेश-रासक (चयनित पाठ) – अब्दुलरहमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
  3. बीसलदेवरासो (चयनित पाठ) – सं. माताप्रसाद गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
  4. विद्यापति के गीत (चयनित पाठ) – सं. नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
  5. कीर्तिलता – सं. वासुदेवशरण अग्रवाल, साहित्य सदन, चिरगाँव
  6. दक्खिनी हिंदी काव्य-चयनिका (चयनित पाठ) – सं. रहमत उल्लाह, हिंदी साहित्य सम्मलेन, इलाहाबाद
- **इकाई - 3 (निम्नांकित में से किन्हीं चार रचनाओं के अध्ययन अनिवार्य)** **अधिमान (42%)**
  1. कबीर ग्रंथावली (चयनित पाठ) – सं. माताप्रसाद गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
  2. रैदास बानी (चयनित पाठ) – शुकदेव सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
  3. पद्मावत (चयनित पाठ) – सं. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
  4. रामचरितमानस (चयनित पाठ) – तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर
  5. भ्रमरगीतसार (चयनित पाठ) – सं. रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

6. मीरा का काव्य (चयनित पाठ) – विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. बिहारी रत्नाकर (चयनित पाठ) – सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. देव की दीपशिखा (चयनित पाठ) – सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. घनानंद कवित्त प्रथम शतक (चयनित पाठ) – सं. विश्वनाथप्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, बनारस
10. दीवान-ए-मीर – सं. अली सरदार जाफ़री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-15 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1
16-35 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2
36-60 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कीर्तिलता और अवहट्ट भाषा – शिवप्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. दक्खिनी हिंदी का उद्भव और विकास – श्रीराम शर्मा, हिंदी साहित्य सम्मलेन, इलाहाबाद
4. दक्खिनी हिंदी काव्यधारा – सं. राहुल सांकृत्यायन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
5. विद्यापति पदावली (तीन खंड) – सं. शशिनाथ झा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
6. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. स्वयम्भू – सदानंद शाही, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
8. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. परंपरा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य – शिवकुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
11. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति – कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. मध्यकालीन हिंदी काव्य-भाषा – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. मध्यकालीन भारत (दो भाग) – सतीश चंद्र, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
14. मध्यकालीन भारत (ग्यारह खंड) – इरफ़ान हबीब, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. हिंदी : उद्भव, विकास और रूप – हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहबाद
16. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

17. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय – पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. कबीर के आलोचक – धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
19. कबीर बाज भी, कपोत भी, पपीहा भी – धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. रैदास – धर्मपाल सैनी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
21. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. जायसी – विजयदेवनारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
23. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. रामकथा : उत्पत्ति और विकास – फादर कामिल बुल्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
25. तुलसीदास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
26. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. सूर-साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
28. रीतिकाव्य की भूमिका – नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
29. हिंदी रीति साहित्य – भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
30. हिंदी साहित्य का अतीत (दो भाग) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
31. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
32. बिहारी – विश्वनाथप्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, बनारस
33. देव और उनकी कविता – नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
34. सनेह को मारग – इमरै बंघा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
35. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
36. आनंदघन – रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
37. उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
39. गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : **साहित्यशास्त्र : भारतीय और पाश्चात्य**			
कोर्स-कोड :	MAHIN3002C04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (तीसरा)	शिक्षण-समय	45 **(व्याख्यान)** + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल , स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को साहित्यशास्त्रीय चिन्तन की भारतीय और तदितर परम्पराओं का बोध कराना
2. भारतीय और पाश्चात्य साहित्य-चिन्तन के विभिन्न सम्प्रदायों और प्रमुख वैचारिक प्रस्थानों का ज्ञान देना
3. भारतीय व पश्चिमी साहित्य-दृष्टियों के सन्दर्भ में साहित्य के स्वरूप, प्रयोजन, रचना-प्रक्रिया और विधागत वैविध्य से अवगत कराना
4. भारतीय और पाश्चात्य साहित्य-दृष्टियों से विवेचित विभिन्न साहित्यांगों के स्वरूप और महत्त्व से परिचित कराना।

अधिगम की उपलब्धियाँ :

1. इस पत्र का अध्ययन विद्यार्थियों को साहित्य-रचना और साहित्यशास्त्रीय चिन्तन के जटिल सम्बन्ध का बोध कराएगा।
2. उन्हें साहित्य-चिन्तन के पीछे कार्यरत समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक धरातलों के प्रति सचेत करेगा।
3. उन्हें भारतीय और पाश्चात्य साहित्य-चिन्तनों के बीच के अन्वय-व्यतिरेकी सम्बन्ध का बोध कराएगा।
4. उनमें साहित्यास्वाद और साहित्य-समीक्षा के लिए उपयोगी ज्ञान व प्रविधियों का विकास करेगा|

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1** **(अधिमान 20%)**
  - भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (भरत से जगन्नाथ तक)
- **इकाई - 2** **(अधिमान 20%)**
  - काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन
  - रस : स्वरूप, रस-सामग्री, रस के प्रकार और साधारणीकरण
- **इकाई - 3** **(अधिमान 17%)**
  - शब्द-शक्ति, गुण व दोष

- अलंकार, छन्द और काव्य-रूप
- रीतिकालीन कवि-आचार्यों की परम्परा और आधुनिक हिन्दी का काव्यशास्त्रीय चिन्तन

➢ **इकाई - 4** **(अधिमान 10%)**

- प्लेटो और अरस्तू
- लोंजाइनस

➢ **इकाई - 5** **(अधिमान 17%)**

- वड्र्सवर्थ और कॉलरिज
- इलियट और रिचड्र्स
- नयी समीक्षा

➢ **इकाई - 6** **(अधिमान 16%)**

- शास्त्रीयतावाद और स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद
- बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडम्बना, फैंटेसी, मिथक

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-12 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1
13-24 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2
25-34 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3
35-40 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	**इकाई - 4**
41-50 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	**इकाई - 5**
51-60 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	**इकाई - 6**

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :-

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.वी.काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. भारतीय साहित्यशास्त्र – ग.त्र्य.देशपाण्डे, पॉपुलर बुक डिपो, पुणे
3. संस्कृत-आलोचना – बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
4. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास - भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन, लखनऊ
5. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. साहित्य का स्वभाव – नन्दकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
7. साहित्य और कला - मार्क्स-एंगेल्स, जनचेतना प्रकाशन, लखनऊ
8. मार्क्सवादी साहित्य-सिद्धान्त - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

9. छन्दशास्त्र – शिवनन्दन प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना
10. हिन्दी काव्य-चिन्तन की परम्परा – दीपक प्रकाश त्यागी, हिन्दी अकादमी, दिल्ली
11. काव्य-दर्पण – रामदहिन मिश्र, ग्रंथमाला कार्यालय, पटना
12. भारतीय आलोचनाशास्त्र – राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
13. भारतीय साहित्यशास्त्र-कोश - राजवंश सहाय 'हीरा, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
14. भारतीय काव्य-विमर्श – राममूर्त्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. मार्क्सवाद और साहित्यालोचन – टेरी इगल्टन, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)
16. भारतीय काव्यशास्त्र – विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. नया साहित्य : नया साहित्यशास्त्र – राधावल्लभ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. शैलीविज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
20. काव्य के तत्त्व - देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. साहित्य-सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली
23. काव्य के रूप – गुलाबराय, आत्माराम ऐण्ड सन्स, दिल्ली
24. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज-शब्द – बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
25. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली
26. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र-कोश - राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
27. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अधुनातन सन्दर्भ – सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - नगेन्द्र, ओरिएण्टल बुक डिपो, नयी सड़क, दिल्ली
29. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला (हरियाणा)
30. चिन्तामणि (भाग 1 और 2) - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
31. रस-मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
32. रीतिकाव्य की भूमिका - नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : अस्मितामूलक साहित्य			
कोर्स कोड	MAHIN3003C04	क्रेडिट	4
L(व्याख्यान) **+ T**(ट्यूटोरियल) **+ P** (प्रायोगिक)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	**विषम (तीसरा)**	शिक्षण के घंटे	45 (L) + 15 (T) **घंटे**
शिक्षण विधि	➢ संवाद-शैली |समूह चर्चा| विद्यार्थी केन्द्रित प्रस्तुतिकरण| ➢ सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक, विवेचनात्मक और पद्धति का अनुप्रयोग | ➢ उपचारात्मकशिक्षण | ➢ कम्प्यूटर और प्रोजेक्टर का अनुप्रयोग |		
मूल्यांकन	➢ 30% 'सतत आंतरिक मूल्यांकन' ➢70% - 'सत्रांतपरीक्षा' विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा।		

कोर्स का उद्देश्य :

न्याय, समानता एवं अभिव्यक्ति के अधिकारों से वंचित स्त्री, दलित, आदिवासी तथा अन्य समुदायों के संघर्ष और उनकी मुक्ति के स्वर का अध्ययन इस कोर्स का उद्देश्य है। साथ ही, विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से साहित्य की परवर्तित सौंदर्यशास्त्रीय दृष्टियों को भी जान सकेंगे। .

अधिगम की उपलब्धियाँ:

- नई सदी और उसकी साहित्यिक प्रवृत्तियों से परिचय
- दलित, आदिवासी, स्त्री एवं अन्य विमर्श केन्द्रित संवेदना से परिचय
- स्वानुभूति और लेखन के अंतर्संबंध पर विचार
- नए सौन्दर्यशास्त्र से परिचय
- सबाल्टर्न इतिहास लेखन की दृष्टि से परिचय

कोर्स की विषय-वस्तु :

➢ इकाई - 1 (अधिमान 26%)

- अस्मिता : अभिप्राय एवं स्वरूप, वैश्विक धरातल पर अस्मितावादी आन्दोलन (विशेष - अश्वेत आन्दोलन)
- स्त्री विमर्श : अवधारणा, इतिहास, लिंग-भेद और पितृसत्ता, मुक्ति-संघर्ष (भारतीय और भारतीयेतर सन्दर्भ)
- दलित विमर्श : अवधारणा, इतिहास, मुक्ति-आन्दोलन (फुले और आम्बेडकर)
- आदिवासी प्रश्न : अवधारणा, इतिहास और मुक्ति-आन्दोलन (जल, जंगल, ज़मीन और पहचान का सवाल)

- थर्ड जेंडर : पहचान का सवाल
- अन्य अस्मिताएँ

पाठ : निम्नलिखित में से हर इकाई से एक का अध्ययन ।

➢ **इकाई–2** (अधिमान 20%)

✓ **आत्मकथा** :-

- शिकंजे का दर्द - सुशीला टाकभौरे (चयनित पाठ), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- जूठन
- मुर्दहिया
- सरला : एक विधवा की आत्मजीवनी – सं.प्रज्ञा पाठक, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली (चयनित अंश)
- मैं भंगी हूँ- भगवानदास
- झोपड़ी से राजभवन- माताप्रसाद
- तिरस्कृत - सूरजपाल चैहान (चयनित पाठ), अनुभव प्रकाशन, साहिबाबाद, नई दिल्ली

➢ **इकाई–3** (अधिमान 20%)

✓ **कहानी** :-

- नयी सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित कहानियाँ – सं. मुद्राराक्षस, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली (चयनित कहानियाँ)
- औरत की कहानी – सं. सुधा अरोड़ा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली (चयनित कहानियाँ)
- समकालीन आदिवासी कहानियाँ – सं. केदार प्रसाद मीणा, अलख प्रकाशन, जयपुर(चयनित कहानियाँ)
- सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि (चयनित पाठ), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- दलित कहानी संचयन -सं. रमणिका गुप्ता (चयनित पाठ), साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- आदिवासी स्वर और नई शताब्दी - सं. रमणिका गुप्ता (चयनित पाठ), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- पगहा जोरी जोरी रे घाटो-रोज केरकेट्टा

✓ **उपन्यास :-**

- महानायक बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर- मोहनदास नैमिशराय
- छप्पर- जयप्रकाश कर्दम
- रेत – भगवानदास मोरवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- अपने भी - विपिन बिहारी, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
- चाक – मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- तिरोहित - गीतांजलि श्री

- धूणी तपे तीर - हरिराम मीणा (चयनित पाठ), साहित्य उपक्रम, नई दिल्ली ।
- धरती धन न अपना - जगदीश चंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- सूखा बरगद - मंजूर एहतेशाम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

➢ **इकाई – 4** (अधिमान 27 %)

✓ **कविता** :-

- कलम को तीर होने दो – सं.रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन (चयनित कविताएँ)
- हिन्दी काव्य में दलित काव्यधारा – सं. माता प्रसाद, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली (चयनित कविताएँ)
- कवि ने कहा – कात्यायनी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली (चयनित कविताएँ)
- स्त्री-काव्यधारा – सं.जगदीश्वर चतुर्वेदी + सुधा सिंह, अनामिका पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., दिल्ली (चयनित कविताएँ)
- नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द (चयनित पाठ) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

इकाई – 5 : अन्य विमर्श (अधिमान 07 %)

- अन्या से अनन्या - प्रभा खेतान (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- इस पौरुषपूर्ण समय में - कात्यायनी (चयनित पाठ), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- शृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा (चयनित पाठ), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- नाटक: नंगा सच- डॉ. सुशीला टाकभौरे
- आलोचना: डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी: सूर्य पर पूरा ग्रहण (कबीर के आलोचक- डॉ. धर्मवीर)
- दलित शिखरों से साक्षात्कार : यशवंतवीरोदय, आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद

शिक्षण योजना :

	इकाई/विषय/उपविषय
1-16 इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 1
16-28 इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई – 2
28-40 इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई –3
40– 56 इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल	इकाई –4
56- 60 इनमें से 1 घंटा ट्यूटोरियल	इकाई – 5

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. साहित्य के प्रतिरोधी स्वर – किशोरीलाल रैगर, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. भाषा, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता – न्गुगी वा थ्योंगो, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
3. शृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. सामाजिक क्रान्ति के दस्तावेज (दो खण्ड) – सं. शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. उपेक्षित समुदायों का आत्म-इतिहास – सं. बद्रीनारायण + अनन्तराम मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. आदमी की निगाह में औरत – राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. भारत में स्त्री-असमानता : एक विमर्श – गोपा जोशी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
8. स्त्री : परम्परा और आधुनिकता – सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. नारीवादी राजनीति : संघर्ष एवं मुद्दे – सं. साधना आर्य+निवेदिता मेनन+जिनी लोकनीता, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
10. स्त्री-संघर्ष के सौ वर्ष – कुसुम त्रिपाठी, भावना प्रकाशन, दिल्ली
11. स्त्री-मुक्ति के प्रश्न – देवेन्द्र इस्सर, संवाद प्रकाशन, दिल्ली
12. लिंगभाव का मानवैज्ञानिक अध्ययन : प्रतिच्छेदी क्षेत्र – लीला दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. अस्मिता-विमर्श का स्त्री-स्वर – अर्चना वर्मा, मेधा बुक्स, दिल्ली
14. स्त्री-संघर्ष का इतिहास – राधाकुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. स्त्री : मुक्ति का सपना – सं. कमला प्रसाद + लीलाधर मण्डलोई, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. स्त्री उपेक्षिता – सिमोन द बोउआ, हिन्द पाकेट बुक, दिल्ली
17. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श – जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., दिल्ली
18. गुलामगीरी – ज्योतिबा फुले, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली
19. हरिजन से दलित– सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
20. जाति का ज़हर - सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
21. दलित साहित्य का स्वरूप : विकास और प्रवृत्तियाँ – गुणशेखर, शिल्पायन, दिल्ली
22. दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर – विमल थोराट, अनामिका पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., दिल्ली
23. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
24. हिन्दी कहानी में नारी की सामाजिक भूमिका – अनीता गोयल, आर्याना पब्लिशिंग हाऊस, इन्द्रपुरी, दिल्ली
25. सामाजिक विमर्श के आईने में 'चाक' - सं.विजय बहादुर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
26. जाति और वर्ग : एक मार्क्सवादी दृष्टिकोण – रंगनायकम्मा – राहुल फ़ाउण्डेशन, लखनऊ

27. जाति-प्रश्न और मार्क्सवाद – अरविन्द स्मृति न्यास, निशातगंज, लखनऊ
28. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाशवाल्मीकि, राधाकृष्णप्रकाशन, दिल्ली
29. अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज – ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली
30. आधुनिकता के आईने में दलित – सं. अभय कुमार दुबे, वाणीप्रकाशन, दिल्ली
31. दलित कविता का सघर्ष –कँवल भारती, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
32. दलित विमर्श की भूमिका – कँवल भारती, साहित्य उपक्रम, दिल्ली
33. साहित्य और दलित चेतना ('संचेतना' का विशेषांक) – सं. महीप सिंह, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली
34. चाँद : अछूत अंक – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
35. दलित-दर्शन – सं.रमणिका गुप्ता+ज्ञानसिंह बल, नेहा प्रकाशन (वितरक – शिल्पायन), दिल्ली
36. नारी और भारतीय जनजातियाँ – शीजा जेरोने, हिन्दी पुस्तक सदन, जोशीवाड़ा, बीकानेर
37. आदिवासी सामाजिक संरचना और महिलाओं की प्रस्थिति – अलका रस्तोगी, हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर
38. आदिवासी दुनिया – हरीराम मीणा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
39. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी –सं. रमणिका गुप्ता, वाणीप्रकाशन दिल्ली
40. औपनिवेशिकसंघर्षऔर आदिवासी समाज – हेराल्ड तोपनो, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली
41. आदिवासी जीवन दर्शन - सं. वंदना टेटे, विकल्पप्रकाशन, दिल्ली
42. किन्नर समुदाय की प्रगति : एक समाजवैज्ञानिक अध्ययन – प्रवेश भारद्वाज, भार्गव भूषण प्रेस, त्रिलोचन, वाराणसी
43. थर्ड जेंडर : विमर्श का तीसरा पक्ष – सं. विजेंद्र प्रताप सिंह + रविकुमार गोंड, अनंग प्रकाशन, दिल्ली
44. भारतीय साहित्य एवं समाज में तृतीय लिंगी विमर्श - सं. विजेंद्र प्रताप सिंह + रविकुमार गोंड, अमन प्रकाशन, कानपुर
45. स्त्री-विमर्श का लोकपक्ष- अनामिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
46. समकालीन आदिवासी कविताएँ - सं. हरिराम मीणा, अलख प्रकाशन, जयपुर
47. आदिवासी मिथक और यथार्थ - सं. रमणिका का गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
48. हिंदी दलित कथा साहित्य: अवधारणाएँ और विधाएँ - रजतरानी मीनू, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली ।
49. 'जनकृति' (ऑनलाइन पत्रिका) का 'थर्ड जेंडर विशेषांक',अगस्त,2016, http://www.jankritipatrika.com
50. Neither Man nor Woman : The Hijaras of India – Serena Nanda, Wadsworth Publishing Company, Boston
51. The Truth about Me : A hijara Life-story – A.Rewathi, Penguin Books

कोर्स-विवरण			
कोर्सकाशीर्षक: **हिंदी-पत्रकारिता एवं जनसंचार**			
कोर्स कोड		क्रेडिट	4
L(व्याख्यान) **+ T**(ट्यूटोरियल) **+ P** (प्रायोगिक)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	
सेमेस्टर	**विषम (तीसरा)**	शिक्षण के घंटे	45 (L) + 15 (T) **घंटे**
शिक्षण विधि	➢ संवाद-शैली |समूह चर्चा| विद्यार्थी केन्द्रित प्रस्तुतिकरण| ➢ सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक, विवेचनात्मक और गवेषणात्मक पद्धति का अनुप्रयोग | ➢ फील्ड सर्वेक्षण प्रविधि ➢ उपचारात्मकशिक्षण | ➢ मल्टीमीडिया काअनुप्रयोग |		
मूल्यांकन	➢30% 'सतत आंतरिक मूल्यांकन' ➢70% - 'सत्रांतपरीक्षा' विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा। ➢ मूल्यांकन में पूरी पारदर्शिता बरतते हुए प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी उत्तर-पुस्तिका दिखाई जाती है तथा उसे हर विद्यार्थी की उत्तर-पुस्तिका देखने समझने का अवसर दिया जाता है । ➢ विद्यार्थियोंकी मूल्यांकन-संबंधी समस्याओं का 'केंद्र' के स्तर पर भी समाधान करने का प्रयास किया जाता है । ➢ हरेक कोर्स का निर्देशक (शिक्षक) ही मूल्यांकन का कार्य करता है।		

कोर्स का उद्देश्य :

- पत्रकारिता आज के जनजीवन का अनिवार्य तत्त्व है। दैनिक समाचार-पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के विकसित स्वरूप को देखा जा सकता है। यह लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ भी कहा जाता है। साहित्य के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना इस कोर्स का उद्देश्य है ।.

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- समाचार लेखन एवं विश्लेषणकर सकेंगे
- फीचर, रिपोर्ताज आदि लेखन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे
- सभी प्रकार की मीडिया और उनका अनुप्रयोग सीख पायेंगे
- प्रेस कानून की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- संचार माध्यमों की कार्यविधि जान पायेंगे

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई – 1** (अधिमान 27%)
  - विश्व में पत्रकारिता का उदय और भारत में पत्रकारिता का आरम्भ
  - हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
  - समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व - समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम

- **इकाई –2** (अधिमान 20%)
  - सम्पादन-कला के सामान्य सिद्धांत-शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार की प्रस्तुति-प्रक्रिया
  - दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता
  - समाचार के विभिन्न स्रोत
- **इकाई–3** (अधिमान 20%)
  - पत्रकारिता से सम्बंधित लेखन-सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी पत्रकारिता, अनुवर्तन(फॉलोअप) आदि की प्रविधि
  - इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता- रेडियो, टीवी, केबल, मल्टी मीडिया, सोशल मीडिया
  - प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण-कला
- **इकाई–4**(अधिमान 26%)
  - भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना-अधिकार एवं मानवाधिकार
  - लोक-संपर्क एवं विज्ञापन
  - प्रसारभारती तथा सूचना-प्रौद्योगिकी

इकाई – 5 (अधिमान07%)

- संचार : अवधारणा और प्रक्रिया
- जनसंचार और जनसंचार माध्यम: परम्परागत, मुद्रित, दृश्य, दृश्य-श्रव्य

शिक्षण योजना :

	इकाई/विषय/उपविषय
1-16 इनमें से 4घंटेट्युटोरियल	इकाई – 1
16-28 इनमें से 4घंटेट्युटोरियल	इकाई – 2
28-40 इनमें से 3घंटेट्युटोरियल	इकाई –3
40– 56 इनमें से 3 घंटेट्युटोरियल	इकाई –4
56- 60 इनमें से 1घंटा ट्युटोरियल	इकाई – 5

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
2. राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता -मीरा रानी बल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

3. समाचार पत्रों का इतिहास - अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल लि., वाराणसी
4. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सरस्वती और राष्ट्रीय जागरण - हरप्रसाद गौड़, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम - डॉ. संजीव भानावत, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, जयपुर
7. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास - डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम (भाग 1 एवं 2) - डॉ. वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली
9. जनसंचार: विविध आयाम - ब्रजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. जनमाध्यम सम्प्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
11. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य -जवरीमल पारख, ग्रंथशिल्पी, दिल्ली
12. संस्कृति विकास और संचार क्रान्ति - पूरनचंद्र जोशी, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली
13. जनमाध्यम और मास कल्चर, जगदीश्वर चतुर्वेदी - सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली
14. जनसंचार : इक्कीसवीं सदी - कुमार आदर्श वर्मा, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
15. संचार माध्यम (पत्रिका) -भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
16. सूचना क्रान्ति की राजनीति और विचारधारा - प्रो. सुभाष धूलिया, ग्रंथशिल्पी, दिल्ली
17. जनसंचार माध्यम: चुनौतियाँ और दायित्व - डॉ. त्रिभुवन राय, यूनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर
18. जनसंचार का समाजशास्त्र – लक्ष्मेन्द्र चोपड़ा, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)
19. मीडिया, इतिहास और हाशिये के लोग – अजय कुमार सिंह, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)
20. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – कृष्ण कुमार गोस्वामी
21. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
22. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
23. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी
24. मीडिया की भाषा – वसुधा गाडगिल
25. संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य-बोध – कृष्ण कुमार रत्तू
26. डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
27. विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग**			
कोर्स-कोड	MAHIN3002E04	क्रेडिट	04
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम (तीसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

इस कोर्स में अनुवाद के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । साथ ही, हिंदी भाषा एवं साहित्य और भारतीय भाषा एवं साहित्य को एक-दूसरे के परिप्रेक्ष्य में समझ सकेंगे।

अधिगम की उपलब्धियाँ : पाठ्यक्रम की अवधि पूरी होने पर विद्यार्थी

- दो भाषाओँ की शब्दावलियों से परिचित हो सकेंगे।
- दो संस्कृतियों से परिचित हो सकेंगे।
- व्यावसायिक अनुवादक के रूप में कार्यरत हो सकेंगे।

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 :** **(अधिमान 10%)**

  अनुवाद-अध्ययन का इतिहास
  अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा
  अनुवाद की इकाई : शब्द, पद, वाक्य, अनुच्छेद
  अनुवाद के प्रकार

- **इकाई - 2 :** **(अधिमान 10%)**

  अनुवाद-प्रक्रिया : विश्लेषण, अंतरणऔर पुनर्गठन
  अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष और समस्याएँ
  अनुवाद की सीमाएँ

- **इकाई - 3 :** **(अधिमान 10%)**

  अनुवाद सिद्धांत
  अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धांत

- **इकाई - 4 :** **(अधिमान 70%)**

व्यावहारिक अनुवाद-प्रशिक्षण :

क) हिंदी से अंग्रेजी / अंग्रेजी से हिंदी

ख) भारतीय भाषाओं से हिंदी / हिंदी से (कोई एक) भारतीय भाषा

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
0-06 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 :
06-12 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 :
12-18 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 :
18-60 (इनमें से 9 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 :

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप - कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
2. अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली ।
3. अनुवाद-कला - एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
4. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
5. अनुवाद क्या है ? - राजकमल बोहरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. अनुवाद-सिद्धान्त की रूपरेखा - डा. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - गोपीनाथन ।
8. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
9. अनुवाद : सिद्धांत एवं समस्याएँ - डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णा कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली ।
10. अनुवाद कार्य-दक्षता, भारतीय भाषाओं की समस्यायें - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भारतीय भाषायें और हिंदी अनुवाद समस्या समाधान - कैलाश चन्द भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

12. भूमण्डलीकरण, निजीकरण व हिंदी - डा माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अनुवाद के भाषिक पक्ष - विभा गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : **साहित्य अध्ययन का वैचारिक परिप्रेक्ष्य**			
कोर्स कोड MAHIN3003E04		क्रेडिट	4
व्याख्यान(L) + ट्यूटोरियल(T) + प्रायोगिक (P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	विषम(तीसरा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, समूह-चर्चा; स्वाध्याय, संगोष्ठी, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

- भारतीय एवं भारतीयेतर ज्ञान परंपराओं के पड़ावों को समझ सकेंगे |
- विभिन्न वैचारिक प्रस्थानों से परिचित हो सकेंगे |
- भारतीय दर्शन के विभिन्न संप्रदायों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- भारतीय कला-दृष्टि की विशेषताओं को जान पाएँगे |
- भारत में जाति संरचना और भारतीय राजनीति की प्रक्रिया को समझ सकेंगे |
- आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद और फ्रांसीसी संरचनावाद से परिचित हो सकेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी की साहित्य की समझ का दायरा विस्तृत विकसित होगा |

- भारतीय एवं भारतीयेतर दृष्टियों के परिचय से विश्लेषण-क्षमता का विकास होगा |
- विभिन्न विषयों पर अनेक दृष्टिकोणों से विचार करने की क्षमता का विकास होगा |
- साहित्य के साथ-साथ ज्ञान के अन्य क्षेत्रों से जुड़ाव होगा |

कोर्स की विषय-वस्तु :

➢ **इकाई - 1** **अधिमान (50%)**

भारत में विकसित इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, विज्ञान और कला से जुड़ी दृष्टियों और अवधारणाओं का अध्ययन

(कम से कम तीन दृष्टियों से निकट परिचय अनिवार्य)

विचारणीय बिंदु :-

- भारतीय इतिहास-दृष्टि
- भारतीय दर्शन के प्रमुख संप्रदाय
- भारतीय सौंदर्य एवं कला दृष्टि
- भारत में जाति सरंचना
- आधुनिक भारतीय राजनीति के पड़ाव
- भारत में विज्ञान : प्राचीन और आधुनिक
- पर्यावरण से जुड़े प्रश्न

➢ **इकाई - 2** **अधिमान (50%)**

भारतीयेतर इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, विज्ञान और कला से जुड़ी दृष्टियों और अवधारणाओं का अध्ययन

(कम से कम तीन दृष्टियों से निकट परिचय अनिवार्य)

विचारणीय बिंदु :-

- आधुनिकता, आधुनिकतावाद और उत्तर-आधुनिकता
- मार्क्सवाद
- अस्तित्ववाद
- फ्रांसीसी संरचनावाद

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-30 (इनमें से 7 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1
31-60 (इनमें से 8 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय परंपरा की खोज – भगवान सिंह, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली
2. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दुस्तान की कहानी – जवाहरलाल नेहरू, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली
4. विश्व इतिहास की झलक – जवाहरलाल नेहरू, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली
5. मेरे सपनों का भारत – महात्मा गाँधी, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद
6. भारतमाता : धरतीमाता – राममनोहर लोहिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

7. भारतीय कला की भूमिका – भगवतशरण उपाध्याय, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
8. भारतीय कला का इतिहास – भगवतशरण उपाध्याय, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
9. कला और संस्कृति – वासुदेवशरण अग्रवाल, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
10. भारतीय कला – उदयनारायण राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. भारतीय चित्रकला – रायकृष्ण दास
12. भारतीय मूर्तिकला – रायकृष्ण दास, नागरीप्रचारिणी सभा, बनारस
13. स्वप्न और यथार्थ – पूरनचंद्र जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. आधुनिक भारतीय चिंतन – विश्वनाथ नरवणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. भारतीय दर्शन की रूपरेखा – एम. हिरियन्ना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. ज्योतिबा फुले रचनावली – सं. एल. जी. मेश्राम 'विमलकीर्ति', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
17. भारत विभाजन की अंत:कथा – प्रियंवद, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
18. लोकायत – देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. Modernization of Indian Tradition – Yogendrasingh, Rawat Publication, Jaipur
20. The idea of the modern in literature and the arts – Ed. Irving Howe, Horizon Press
21. Modernism/Postmodernism – Ed. Peter Brooker, Longman, London
22. Modernity – Peter Wanger, Polity Press, London
23. Modernism – Jane Goldman, Palgrave Macmillan, London
24. Modernity : An Unfinished Project – Habermas
25. The Post Modern Condition – Jean-Francois Lyotard, University of Minnesota Press, U.S.A
26. Post Modernism : A very short introduction – Christopher Butler, Oxford University Press, New Delhi
27. Postmodernism or the cultural logic of late capitalism – Fredric Jameson, A.B.S. Publishers & Distributors, New Delhi
28. Marxism and Literature – Raymond Williams, Oxford University Press, U.S.A
29. Existentialism : A very short introduction – Thomas R. Flynn – Oxford University Press, New Delhi
30. Existentialism : A Beginner's Guide – Thomas E. Wartenber, Oneworld Publications
31. मार्क्सवादी लेनिनवादी सिद्धांत के मूल तत्त्व – पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
32.Course in General Linguistics – Ferdinand De Saussure, Open Court
33. Structuralism in Literature : An Introduction – Robert Scholes, Yale University Press, U.S.A.
34. Structuralism – John Sturrock, Blackwell Publishing, U.S.A.
35. Structuralist Poetics – Jonathan Culler, Routledge, London
36. Post Structuralism : A Very Short Introduction – Catherine Belsey, Oxford University Press, New Delhi
37. Lenin and Philosophy and Other Essay and Other Essays – Louis Althusser, New

38. यूरोपीय दर्शन – रामावतार शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
39. भारतीय नवजागरण और यूरोप – रामविलास शर्मा, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
40. भारतनामा – सुनील खिलनानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
41. उपभोग की लक्ष्मण-रेखा – रामचंद्र गुहा, पेंग्विन इंडिया, दिल्ली
42. आज भी खरे हैं तालाब – अनुपम मिश्र, गाँधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
43. न्याय का गणित – अरूंधती राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कोर्स-विवरण			
कोर्स-शीर्षक :- **हिन्दी आलोचना : सैद्धान्तिक और व्यावहारिक**			
कोर्स-कोड	MAHIN4001C04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (चौथा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

1. विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के तात्पर्य और स्वरूप का बोध कराना
2. हिंदी आलोचना की परम्परा और विकास से परिचित कराना
3. हिंदी आलोचना के क्षेत्र में घटित हुए विभिन्न वैचारिक द्वन्द्वों और प्रमुख आलोचना-दृष्टियों से अवगत कराना
4. प्रमुख हिन्दी आलोचकों और उनके प्रतिनिधि लेखन का साक्षात्कार कराना ।

अधिगम की उपलब्धियाँ :

यह पत्र हिंदी आलोचना के स्वरूप, परम्परा, विभिन्न दृष्टियों और तद्विषयक चयनित पाठों के अध्ययन के ज़रिये विद्यार्थियों में रचना एवं आलोचना के संबंध और समय के साथ साहित्य के मूल्यांकन की कसौटियों में हुए बदलावों का बोध कराएगा । साथ ही, उनमें आलोचनात्मक दृष्टि एवं चेतना के विकास में भी सहायक सिद्ध होगा |

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1** **(अधिमान 25%)**
  - हिन्दी आलोचना का स्वरूप और प्रकार
  - हिंदी आलोचना की परम्परा और प्रमुख दृष्टियाँ
- **इकाई - 2** **(अधिमान 25%)**
  - हिंदी आलोचना और हिंदी-साहित्य के विभिन्न विवाद और आंदोलन
  - हाशिये की वैचारिकी (दलित-स्त्री-आदिवासी विमर्श) और हिन्दी आलोचना
- **इकाई - 3 : पाँच चयनित पाठों का अध्ययन** **(अधिमान 25%)**

- महावीर प्रसाद द्विवेदी : 'महावीरप्रसाद द्विवेदी रचनावली' (खंड 2), सं. भारत यायावर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली (चयनित एक आलेख)
- रामचंद्र शुक्ल : 'चिंतामणि' (भाग 1 और 2), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (चयनित एक आलेख)
- जयशंकर प्रसाद : 'काव्य और कला तथा अन्य निबंध', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (चयनित एक आलेख)
- प्रेमचन्द : 'साहित्य का उद्देश्य', हंस प्रकाशन, इलाहाबाद (चयनित एक आलेख)
- नन्ददुलारे वाजपेयी : 'हिन्दी-साहित्य : बीसवीं शताब्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (चयनित एक आलेख)
- 'निबंधों की दुनिया : हजारीप्रसाद द्विवेदी' – सं. निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली (चयनित एक आलोचनात्मक आलेख)
- 'दिनकर रचनावली' (खंड 6 और 7) – सं. नंदकिशोर नवल + तरुण कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद से (चयनित एक आलेख)

➢ **इकाई - 4 : पाँच चयनित पाठों का अध्ययन (अधिमान 25%)**

- शिवदान सिंह चौहान : 'भारत में प्रगतिशील साहित्य की आवश्यकता', अनामिका पब्लिशर्स ऐण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली (चयनित एक आलेख)
- रामविलास शर्मा : 'निबंधों की दुनिया', सं. रामेश्वर राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली (चयनित एक आलेख)
- नगेंद्र : 'आस्था के चरण' (खंड 1), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली (चयनित एक आलेख)
- नामवर सिंह : 'नामवर सिंह संचयिता', सं. नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (चयनित एक आलेख)
- अज्ञेय : 'त्रिशंकु', सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली (चयनित एक आलेख)
- मुक्तिबोध : 'मुक्तिबोध रचनावली' (खंड 4 और 5) – सं. नेमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (चयनित एक आलेख)

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-15 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1
16-30 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2
31-45 (इनमें से 4 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3
46-60 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. आलोचना का रहस्यवाद – परमानन्द श्रीवास्तव, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी आलोचना – विश्वनाथत्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3. आलोचना के सौ वर्ष (3 खण्ड) – अरविन्द त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली
4. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. समकालीन हिन्दी समीक्षा – हुकुमचन्द राजपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. शिवदान सिंह चौहान का आलोचना-कर्म – अमरेन्द्र त्रिपाठी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
10. शिवदान सिंह चौहान – पुरुषोत्तम अग्रवाल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
11. प्रगतिशील आंदोलन के इतिहास पुरुष – खगेंद्र ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. परिमल : स्मृतियाँ और दस्तावेज – केशवचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. रोशनाई – सज्जाद जहीर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : प्रस्थान और परंपरा –राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. महावीरप्रसाद द्विवेदी – नंदकिशोर नवल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
17. महावीरप्रसाद द्विवेदी का महत्त्व – सं. भारत यायावर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
18. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. हजारीप्रसाद द्विवेदी – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
20. शांतिनिकेतन से शिवालिक – सं. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
21. डॉ. नगेंद्र – निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
22. हिंदी के प्रहरी डॉ. रामविलास शर्मा – सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, अरुण प्रकाश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
23. सामना : रामविलास शर्मा की विवेचन पद्धति और मार्क्सवाद – वीर भारत तलवार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
24. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परंपरा – सं. कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
25. आलोचना के रचना पुरुष : नामवर सिंह – सं. भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
26. छायावादी कवियों की आलोचनात्मक दृष्टि – विजयमोहन सिंह, नारायण प्रकाशन मंदिर, बनारस
27. दिनकर : व्यक्तित्व और रचना के आयाम – सं. गोपाल राय, सत्यकाम, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
28. आलोचक अज्ञेय की उपस्थिति – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
29. अज्ञेय : वागर्थ का वैभव – रमेशचंद्र शाह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
30. मुक्तिबोध – नंदकिशोर नवल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
31. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
32. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
33. शैलीविज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
34. हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार - रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

35. मार्क्सवाद और साहित्यालोचन – टेरी इगल्टन, आधार प्रकाशन प्रा.लि., पंचकूला (हरियाणा)
36. हिन्दी आलोचना का विकास – नन्दकिशोर नवल. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
37. आलोचना का समाजशास्त्र – मुद्राराक्षस,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
38. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज-शब्द – बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
39. दलित साहित्य की भूमिका – कँवल भारती, साहित्य उपक्रम, दिल्ली
40. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
41. Literary Theory and Criticism : A Oxford Guide – Ed. Patricia Waugh, Oxford University Press, London
42. A Glossary of Literary Terms – M. H. Abrams, Geoffery Galt Harpham, Wadsworth Publishing Co. Inc, Delhi
43. Beginning Theory – Peter Barry, Viva Books, New Delhi
44. Literary Theory : A Very Short Introduction – Jonathan Culler, Oxford University, London
45. One Language, Two Scripts : The Hindi Movement in Nineteenth century North India – R.Christopher King, Oxford University Press, Mumbai
46. From Hindi To Urdu : A Social and Political History – Tariq Rahman, Orient BlackSwan, Hyderabad

---

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **हिंदी क्षेत्र का लोक साहित्य**			
कोर्स-कोड	MAHIN4002C04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (चौथा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला,क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स के उद्देश्य:

किसी भी समाज की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति प्राथमिक रूप से उसके मौखिक साहित्य में देखने को मिलती है | मौखिक साहित्य ही लोक साहित्य का आधार है | लोक साहित्य मनुष्य के जीवन संघर्ष, उसके राग-विराग का कलात्मक संचयन है| यह समाज की सामाजिक संरचना और उसकी मनोदशा को समझने में मदद करता है| इस कोर्स के माध्यम से छात्र सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के स्रोत के रूप में लोक साहित्य के स्वरूप, उसके उद्भव, प्रकार एवं विशिष्टताओं का अध्ययन करेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ:

- विद्यार्थी लोक साहित्य के अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं उसकी रचना प्रक्रिया को समझ सकेंगे|
- लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं एवं उनकी महत्ता को समझ सकेंगे |
- लोक समाज की सर्जनात्मकता से परिचित होंगे |
- समाज में मौजूद विभिन्न समूहों के आपसी रिश्तों एवं उनके सह-संबंध को समझ सकेंगे|
- विद्यार्थीमानव कला एवं साहित्य के प्राथमिक स्रोत के रूप में लोक साहित्य की विशिष्टताओं से परिचित होंगे |
- लोक भाषाओँ की सर्जनात्मकता एवं उनकी विशिष्टताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे|

कोर्स की विषय-वस्तु :

इकाई – 1 लोक एवं लोक साहित्य : परिभाषा एवं प्रवृत्तियाँ (अधिमान 17%)

1. लोक; अभिप्राय एवं विशिष्टताएँ
2. लोक साहित्य ; परिभाषा, प्रवृत्तियाँ एवं निर्मिति
3. साहित्यएवं लोक साहित्य में अंतर एवं अंतर्संबंध

इकाई –2 लोक साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन (अधिमान 17%)

1. लोक साहित्य संग्रह एवं चुनौतियाँ
2. लोक साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन : महत्व एवं संभावनाएँ
3. लोक साहित्य : परंपरा एवं प्रयोग(विजयदानदेथाके साहित्य का संदर्भ)

इकाई –3 लोक-साहित्य के प्रकार (अधिमान 33%)

1. लोक साहित्य के प्रकार – लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य
2. लोक गीत : परिभाषा, स्वरूप,प्रकार, निर्मिति एवं विशेषताएँ
3. लोक कथा : परिभाषा, स्वरूप, प्रकार,निर्मिति एवं विशेषताएँ
4. लोक गाथा : परिभाषा, स्वरूप,प्रकार, निर्मिति एवं विशेषताएँ
5. लोक नाट्य : परिभाषा, स्वरूप,प्रकार, निर्मिति एवं विशेषताएँ

इकाई – 4 (अधिमान 33%)

हिंदी प्रदेश कीकिसी एक लोक भाषा के रूप मगही/मैथिली/भोजपुरी /संताली/मुंडारी लोक साहित्य का अध्ययन (चयनित पाठ)

1. मगही संस्कार गीत – सं. विश्वनाथप्रसाद, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना|
2. मैथिली संस्कार गीत - बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना|
3. भोजपुरी संस्कारगीत – सं. हंसकुमार तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना|
4. संताली लोक कथाएं – डोमन साहू 'समीर', राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नयी दिल्ली |
5. बाँसुरी बज रही – जगदीश त्रिगुणायत, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना|

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-10 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई- 1 लोक एवं लोक साहित्य : परिभाषा एवं प्रवृत्तियाँ
11-20 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई- 2 लोक साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन
20-40 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई- 3 लोकसाहित्य के प्रकार
41-60 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 हिंदी प्रदेश कीकिसी एक लोक भाषा के रूप मगही/मैथिली/भोजपुरी/मुंडारी/संताली लोक साहित्य का अध्ययन

अनुशंसित सहायक ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य की भूमिका – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहबाद |
2. भारत में लोक साहित्य – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहबाद |
3. भोजपुरीभाषा और साहित्य – उदयनारायणतिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना|
4. लोक का आलोक – सं. पीयूष दहिया |
5. लोक साहित्य की भूमिका – धीरेन्द्र वर्मा |
6. देवेन्द्र सत्यार्थी : लोक निबंध– संचयन एवं संपादन, प्रकाश मनु, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नयी दिल्ली |
7. कार्बी कथाएँ – उदयभानु पाण्डेय, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली|
8. लोकगीतों का बुगचा – निर्मल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली |
9. आख्यान: गोंड जनजाति के कथा इतिहास का साक्ष्य – डॉ. विजय चौरसिया, आदिवासी लोक कला अकादमी मध्य प्रदेश|
10. हिंदीसाहित्य का वृहत इतिहास, खंड – 16
11. पृथ्वीपुत्र : वासुदेवशरण अग्रवाल
12. जनपदीय अध्ययन की भूमिका : सं. सदानंद शाही, भोजपुरी अध्ययन केंद्र, काशी हिन्दू वि.वि., वाराणसी|
13. लोक का स्वर : विद्यानिवास मिश्र

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-10 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई- 1 लोक एवं लोक साहित्य : परिभाषा एवं प्रवृत्तियाँ
11-20 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई- 2 लोक साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन
20-40 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई- 3 लोकसाहित्य के प्रकार
41-60 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 हिंदी प्रदेश कीकिसी एक लोक भाषा के रूप मगही/मैथिली/भोजपुरी/मुंडारी/संताली लोक साहित्य का अध्ययन

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **समकालीन हिंदी साहित्य**			
कोर्स-कोड	MAHIN4003C04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(**L**)+ट्यूटोरियल(**T**)+प्रायोगिक(**P**)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (चौथा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स के उद्देश्य :

आजादी के बाद तेजी से भारतीय समाज में मध्यवर्ग का उदय हुआ | इसके साथ ही मध्यवर्गीय सोच और आकांक्षाएँ भारतीय समाज के सभी क्षेत्रों में परिलक्षित होने लगे | पूंजीवाद विकास के स्वरूप ने भारतीय समाज में नब्बे के दशक में अपना वैधानिक रूप ग्रहण कर लिया | वैश्विक स्तर पर हुए संचार क्रांति ने नयी परिभाषाओं को सामने लाया | इन सबने भारतीय समाज के मूल्यों को बहुत बुनियादी रूप से प्रभावित किया | 'ग्लोबल' के बरअक्स 'लोकल' का स्वर मुखरित हुआ, साथ ही नयी अस्मिताएँ भी इस समय समाज में तेजी से उभर कर सामने आयीं | प्रस्तुत कोर्स के माध्यम से छात्र विचार, चिंतन, साहित्य और कला के क्षेत्र में हो रहे नए स्वरूपों से परिचित होंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी समकालीनता के अभिप्राय एवं उसकी प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे |
- समकालीन भारतीय समाज और उसके सांस्कृतिक-राजनीतिक चिंतन से परिचित होंगे |
- वैश्वीकरण के अर्थ, स्वरूप एवं उसके प्रभाव की जानकारी हासिल करेंगे |
- अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकी एवं उसकी प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे |
- दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अन्य वंचित समूहों के संघर्ष और रचनात्मक अभिव्यक्ति से परिचित होंगे |

कोर्स की विषय-वस्तु

इकाई - 1 समकालीनता का अभिप्राय एवं परिदृश्य (अधिमान 8%)

1. समकालीनता का अभिप्राय
2. आपातकाल, संपूर्ण क्रांति और भारतीय राजनीति

3. नक्सलबाड़ी आन्दोलन का वैचारिक प्रभाव

इकाई - 2 वैश्वीकरण का सन्दर्भ (अधिमान 8%)

1. वैश्वीकरण : अर्थ एवं स्वरूप
2. वैश्वीकरण और भारतीय समाज
3. ग्लोबल बनाम लोकल का द्वंद्व

इकाई - 3 सामाजिक विमर्शों का पक्ष (अधिगम 9%)

1. अस्मितावादी आंदोलनों का उभार
2. स्त्रीवादी आन्दोलन : प्रवृत्तियाँ एवं विभिन्न चरण
3. दलित आन्दोलन : बुद्ध एवं अम्बेडकर की वैचारिकी
4. आदिवासी प्रश्न : अस्तित्व का संकट

इकाई - 4 कविता : किन्हीं चार कवियों का अध्ययन (अधिमान 33%)

1. प्रतिनिधि कवितायएँ : कुँवर नारायण, (चयनित पाठ) राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
2. प्रतिनिधि कविताएँ : केदारनाथ सिंह, (चयनित पाठ) राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
3. दुनिया रोज बनती है - आलोकधन्वा (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
4. नए इलाके में - अरुण कमल (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
5. पहाड़ पर लालटेन - मंगलेश डबराल, (चयनित पाठ), राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली |
6. दो पंक्तियों के बीच - राजेश जोशी, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
7. लकडबग्घा हंस रहा है - चंद्रकांत देवताले, (चयनित पाठ), संभावना प्रकाशन, रेवती कुंज, हापुड़ |
8. सबकुछ होना बचा रहेगा - विनोद कुमार शुक्ल, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
9. स्त्री मेरे भीतर - पवन करण, (चयनित पाठ), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
10. दलित निर्वाचित कविताएँ : सं. कँवल भारती, सम्यक प्रकाशन |

इकाई - 5 कथा साहित्य : किन्हीं दो उपन्यास का अध्ययन (अधिमान 17%)

1. कलिकथा वाया बाइपास - अलका सरावगी , आधार प्रकाशन, पंचकुला |
2. चाक - मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन |
3. दीवार में एक खिड़की रहती थी - विनोद कुमार शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली |
4. जंगल जहाँ शुरू होता है - संजीव, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
5. तर्पण - शिवमूर्ति, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
6. ऐ लड़की - कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
7. झीनी झीनी बिनी चदरिया - अब्दुल बिस्मिलाह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
8. सात आसमान - असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |

इकाई - 6 कहानी : तीन चयनित पाठ (अधिमान 25%)

1. शापग्रस्त - अखिलेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली |
2. शहर कोतवाल की कविता - देवेन्द्र, आधार प्रकाशन पंचकुला |
3. नगरवधुएँ अख़बार नहीं पढ़ती - अनिल यादव, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद |
4. बाजार में रामधन - कैलाश वनवासी, अंतिका प्रकाशन गाजियाबाद |
5. कोहरे में कंदील - अवधेश प्रीत, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद |
6. छछिया भर छाछ - महेश कटारे, अंतिका प्रकाशन, नयी दिल्ली |
7. परिंदे के इंतजार-सा कुछ - नीलाक्षी सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली |

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-5 (इनमें से 1 घंटा ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 समकालीनता का अभिप्राय एवं परिदृश्य
6-10 (इनमें से 1 घंटा ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 वैश्वीकरण का सन्दर्भ
10-15 (इनमें से 1 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 सामाजिक विमर्शों का पक्ष
16-35 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 कविता : किन्हीं चार कवियों का अध्ययन
36-45 इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 5 कथा साहित्य : किन्हीं दो उपन्यास का अध्ययन
46-60 इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 6 कहानी : तीन चयनित पाठ

अनुशंसित सहायक ग्रन्थ :

1. समकालीन हिंदी उपन्यास - एन.मोहनन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली |
2. उदय प्रकाश, अपनी उनकी बात, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली |
3. भारतीय उपन्यास और आधुनिकता ; वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा |
4. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ - रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

5. कविता की वापसी और अरुण कमल का काव्य - विधि शर्मा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली |
6. कविता और समय - अरुण कमल, वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली |
7. हिंदी कविता ; अभी बिल्कुल अभी - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली|
8. कवियों की पृथ्वी - अरविन्द त्रिपाठी, किताब घर, नयी दिल्ली |
9. काव्य परंपरा ; तुलसी से त्रिलोचन तक - प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली|
10. समकालीन हिंदी कविता - ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन नयी दिल्ली |
11. कविता का अर्थात - परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली |
12. कविता का उत्तर जीवन - परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
13. जीने का उदात्त आशय - पंकज चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
14. कविता का गल्प - अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली |
15. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली |
16. भूमंडलीकरण के भंवर में भारत - कमल नयन काबरा, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली |

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **भारतीय साहित्य**			
कोर्स-कोड	MAHIN4001E04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (चौथा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को भारत के साहित्यिक वैविध्य में निहित एकत्व (भारतीय साहित्य की अवधारणा) का बोध कराना
2. विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यों की सामान्य रचना-परिस्थितियों से अवगत कराना
3. भारतीय साहित्य के ऐतिहासिक विकास और परम्परा का बोध कराना
4. विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्यों के (हिन्दी माध्यम से) चुने हुए पाठों के ज़रिये, साहित्यिक आस्वादन-क्षमता का विस्तार तथा भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त विविध जीवन-मूल्यों, समस्याओं और समकालीन प्रश्नों (हाशिये के सवालों आदि) का सन्धान करना
5. हिन्दी साहित्य में अभिव्यक्त भारतीयता के स्वरूप से अवगत कराना।

अधिगम की उपलब्धियाँ :-

इस पत्र के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी अलग-अलग भाषाओं में प्रवहमान साहित्यों के ज्ञान के ज़रिये भारत की बहुमुखी सांस्कृतिक विरासत, उसकी परम्परा और सामाजिक विविधता से परिचित हो सकेंगे। साथ ही, तमाम विविधताओं के भीतर अनुस्यूत एक ही साहित्यिक अन्तर्धारा ('भारतीय साहित्य') को वे पहचान सकेंगे, जिसके घटक के रूप में एक-जैसे सांस्कृतिक मूल्यों को परख सकेंगे। तत्पश्चात्, उनका अनुप्रयोग करते हुए, वे समकालीन जीवन-स्थितियों को प्रकाशित कर सकेंगे; साथ ही अपनी साहित्यिक समझ और अभिरुचि का परिष्कार कर, उन्हें व्यापक बना सकेंगे।

कोर्स की विषय-वस्तु :

➢ इकाई - 1 : भारतीय साहित्य की अवधारणा (अधिमान 17%)

- भारतीय साहित्य की विविधता और मूलभूत एकता
- भारतीयता और भारतीय साहित्य की अवधारणा
- भारतीय साहित्य-दर्शन
- भारतीय साहित्य के अध्ययन का इतिहास और उसकी समस्याएँ
- हिन्दी साहित्य में भारतीयता की अभिव्यक्ति

- **इकाई - 2 : भारतीय साहित्य और समकालीन भारत (अधिमान 17%)**
  - भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त आज का भारत
  - नवजागरण और भारतीय साहित्य
  - समकालीन भारतीय साहित्य
  - हाशिये की वैचारिकी (स्त्री, थर्ड ज़ेण्डर, दलित, आदिवासी, बाल) और भारतीय साहित्य
  - हिन्दी और उर्दू : भाषा और साहित्य का अन्त:सम्बन्ध
- **इकाई - 3 : भारतीय साहित्य का पाठ (कविता) (अधिमान 20%)**
  - 'संस्कृत कविता में लोक-जीवन'- राधावल्लभ त्रिपाठी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली (चयनित अंश)
  - 'धम्मपद' - भिक्षु धर्मरक्षित, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली (चयनित अंश)
  - 'आधुनिक भारतीय कविता' - सं. अवधेश नारायण मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (चयनित अंश)
- **इकाई - 4 : भारतीय साहित्य का पाठ (उपन्यास) (अधिमान 17%)**

  निम्नलिखित में से किसी एक उपन्यास का अध्ययन ।
  - गोरा - रवीन्द्रनाथ टैगोर, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
  - मढ़ी का दीवा - गुरुदयाल सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
  - संस्कार - यू.आर.अनन्तमूर्त्ति, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
  - छिन्नमस्ता - इन्दिरा गोस्वामी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
  - मछुआरे - तकषि शिवशंकर पिल्लै, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
  - अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो - कुर्रतुल-ऐन-हैदर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- **इकाई - 5 : भारतीय साहित्य का पाठ (कहानी) (अधिमान 16%)**

  निम्नलिखित पुस्तक की पाँच कहानियों का अध्ययन ।
  - 'भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठ कहानियाँ' – सं. सत्येन्द्र शरत + हिमांशु जोशी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
- **इकाई - 6 : भारतीय साहित्य का पाठ (नाटक) (अधिमान 13%)**

  निम्नलिखित में से किसी एक नाटक का अध्ययन ।
  - नील-दर्पण – दीनबन्धु मित्र, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
  - रामानुजर – इन्दिरा पार्थसारथी – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
  - एक जिद्दी लड़की – विजय तेन्दुलकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
  - तुगलक - गिरीश करनाड, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
  - फसादी – इस्मत चुगताई, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-10 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 : भारतीय साहित्य की अवधारणा

11-20 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 : भारतीय साहित्य और समकालीन भारत
21-32 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 : भारतीय साहित्य का पाठ (कविता)
33-42 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	**इकाई - 4 :** भारतीय साहित्य का पाठ (उपन्यास)
43-52 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	**इकाई - 5 :** भारतीय साहित्य का पाठ (कहानी)
53-60 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	**इकाई - 6 :** भारतीय साहित्य का पाठ (नाटक)

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :–

1. भारतीय संस्कृति के आधार- श्रीअरविन्द, श्रीअरविन्द आश्रम, पाण्डिचेरी
2. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भारतीयता के सामासिक अर्थ-सन्दर्भ – अम्बिकादत्त शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
4. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य – भ.ह.राजूरकर और राजमल बोरा
5. तुलनात्मक साहित्य – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. आर्य और द्रविड़ भाषाओं का अन्त:सम्बन्ध – भगवान सिंह, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, दिल्ली
7. आधुनिक भारतीय चिन्तन – विश्वनाथ नरवणे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. भारतीय चिन्तन परम्परा – के.दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
9. भारत : तब से अब तक – भगवान सिंह, शब्दकार, दिल्ली
10. विचार-प्रवाह– हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्थावनाएँ – के.सच्चिदानन्दन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय साहित्य दर्शन - डॉ. कृष्णलाल हंस, ग्रंथम्, रामबाग़, कानपुर-12
13. भारतीय साहित्य – सं. मूलचन्द गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
14. आज का भारतीय साहित्य – सं.प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादमी
15. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – रामविलास शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. भारतीय साहित्य – सं. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
18. भारतीय सहित्य – रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – सं.नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली
20. तुलनात्मक साहित्य – इन्द्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

21. भारतीय उपन्यास – सं.आलोक गुप्त, राजपाल ऐण्ड संस, दिल्ली
22. भारतीय भाषा-परिचय – केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली
23. भारतीय कविता में राष्ट्रीय चेतना– केंद्रीय हिन्दीनिदेशालय, दिल्ली
24. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य – केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली
25. भारतीय साहित्यकी रूपरेखा– भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
26. भारतीय उपन्यास की दिशाएँ – सत्यकाम, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
27. तुलनात्मक साहित्य विश्वकोश – सं.जी.गोपीनाथन, महात्मा गाँधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
28. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
29. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
30. पालि-साहित्य का इतिहास – भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
31. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
32. हिन्दी, उर्दू और खड़ी बोली की ज़मीन– रविनन्दन सिंह, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद
33. हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी – पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
34. हिन्दी-उर्दू : साझा संस्कृति – मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
35. उर्दू भाषा और साहित्य – फ़िराक़ गोरखपुरी, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
36. उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि – कलीमुद्दीन अहमद, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
37. भारतीय बाल साहित्य की भूमिका – त्रिभुवन शुक्ल + राष्ट्रबन्धु, अमन प्रकाशन, कानपुर
38. भारतीय बाल-साहित्य के विविध आयाम – रमाकान्त श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
39. इण्डियन लिटरेचर सिंस इण्डिपेण्डेन्स - सं. के.एस.आर.आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
40. The Concept of Indian Literature – V.K.Gokak, Munshirama Manoharlal, Delhi
41. A History of Indian Literature (3 Vols.) – Sisir Kumar Das, Sahitya Akademi, Delhi
42. Hindi Nationalism – Alok Rai, Orient Longman, Hyderabad

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **प्रवासी हिन्दी साहित्य**			
कोर्स-कोड	MAHIN4002E04	क्रेडिट	04
व्याख्यान(L)+ट्यूटोरियल(T)+प्रायोगिक(P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (चौथा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

इस पत्र का अध्ययन विद्यार्थियों को भारतीय हिन्दी-क्षेत्र से अन्यत्र, सुदूर विदेशों में दीर्घकाल से विद्यमान हिन्दी-रचनाशीलता का साक्षात्कार कराते हुए, उन्हें हिन्दी-साहित्य के अनुभव-जगत् को आकार और प्रकार की दृष्टि से समृद्ध करने में प्रवासी भारतवंशियों की भूमिका से परिचित कराएगा; साथ ही उनमें हिन्दी की विकासमान वैश्विक संस्कृति का बोध भी जगाएगा तथा उसकी राह में आ रहीं नयी सदी की चुनौतियों और नवीन संभावनाओं के प्रति जागरुक भी करेगा ।

अधिगम की उपलब्धियाँ :

पाठ्यक्रम की अवधि पूरी होने पर विद्यार्थी

- हिन्दी-क्षेत्र से अन्यत्र, सुदूर देशों के साहित्य से परिचित हो सकेंगे ।
- वैश्विक संस्कृतियों से परिचित हो सकेंगे।
- प्रवासी भारतवंशियों की भूमिका से परिचित हो सकेंगे।

कोर्स की विषय-वस्तु :

इकाई - 1 : **(अधिमान 20%)**

हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य :

विदेशों में हिन्दी और उसका भाषाई स्वरूप; संवाद, शिक्षा और सृजन के माध्यम/विषय के रूप में हिन्दी की स्थिति, संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी; वैश्वीकरण और हिन्दी (भाषा व साहित्य), नयी सदी में हिन्दी भाषा और रचनाशीलता के सामने वैश्विक चुनौतियाँ, विश्व हिन्दी सम्मेलन की भूमिका

प्रवासी हिन्दी साहित्य की विकास-परम्परा :

प्रवासी हिन्दी-साहित्य रचना का इतिहास और भूगोल, प्रवासी रचना-सन्दर्भ, सामान्य व विशिष्ट प्रवृत्तियाँ, रचना की विधाएँ, प्रमुख रचनाकार, वर्तमान चुनौतियाँ

इकाई - 2 : **पाठ** **(अधिमान 40%)**

कहानियाँ :

- दीवार में रास्ता- काला सागर ,देह की कीमत , तेजेन्द्र शर्माइन) दिल्ली ,वाणी प्रकाशन , (तीन संग्रहों में से कोई दो कहानियाँ
- साढ़े सात दर्जन पिंजरे - गौतम सचदेव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली (कोई एक कहानी)
- साँकल - जकिया जुबेरी
- गुलमोहर - जय वर्मा
- कौन सी जमीन अपनी - सुधा ओम ढींगरा
- ऑन्टोप्रेन्योर - उषाराजे सक्सेना
- यों ही चलते हुए - पूर्णिमा बर्मन
- बेमौसम की बर्फ - अनिल प्रभा कुमार

➢ इकाई - 3 : **पाठ** **(अधिमान 40%)**

उपन्यास :

- लाल पसीना दिल्ली ,प्रकाशन राजकमल ,अभिमन्यु अनत -
- शाम भर बातें - दिव्या माथुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- लौटना - सुषम बेदी
- कुछ गाँव-गाँव कुछ शहर-शहर - नीना पॉल

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
0-10 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 : हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य प्रवासी हिन्दी साहित्य की विकास-परम्परा
10-35 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 : पाठ : कहानियाँ
35-60 (इनमें से 6 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 : पाठ : उपन्यास

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. विश्व-पटल पर हिन्दी - सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रवासी हिन्दी साहित्य - कमल किशोर गोयनका

3. मॉरीशस का हिन्दी साहित्य - वीर सिंह, जागा सिंह
4. मॉरीशस का हिन्दी साहित्य - मुनीश्वर चिंतामणि
5. सूरीनाम हिन्दुस्तानी - भावना सक्सेना
6. सूरीनाम का सर्जनात्मक हिन्दी साहित्य - विमलेश कांति वर्मा
7. फीज़ी का सर्जनात्मक साहित्य - विमलेश कांति वर्मा
8. फीज़ी में हिन्दी : स्वरूप और विकास - विमलेश कांति

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक : **सूफ़ी साहित्य**			
कोर्स कोड MAHIN4003E04		क्रेडिट	4
व्याख्यान(L) + ट्यूटोरियल(T) + प्रायोगिक (P)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (चौथा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, समूह-चर्चा; स्वाध्याय, संगोष्ठी, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य :

- इस्लाम और सूफ़ी मत की अवधारणा समझ सकेंगे |
- भारतीय सूफ़ी मतों और संप्रदायों से परिचित हो सकेंगे |
- भारतीय एवं भारतीयेतर प्रेमाख्यान का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |
- सूफ़ी संगीत की विशेषताओं को जान पाएँगे |
- समकालीन संदर्भों में सूफ़ी मत को समझ सकेंगे |
- भारत की सामासिक संस्कृति के निर्माण में सूफ़ी साहित्य की भूमिका समझ सकेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी में सूफ़ी मत और साधना की समझ विकसित होगी |

- सूफ़ी संगीत का अध्ययन करने के कारण साहित्य और ललित कलाओं के संबंध को व्यापक फलक पर देख पाएँगे |
- भारतीय संस्कृति के सामासिक पहलुओं और इस के विभिन्न रूपों की विशेषता को पहचान सकेंगे |
- पाठ आधारित कविता के अध्ययन से काव्य-संवेदना का विस्तार होगा |

कोर्स की विषय-वस्तु :

- **इकाई - 1 अधिमान (33%)**
  - इस्लाम और सूफ़ी मत
  - भारत में सूफी मत
  - सूफ़ी प्रेमाख्यान : भारतीय और भारतीयेतर
  - सूफ़ी काव्य और लोक तत्त्व
  - सूफ़ी मत और संगीत
  - सूफ़ी मत और समकालीन संदर्भ
- **इकाई - 2 (निम्नांकित में से किसी एक कवि का अध्ययन अनिवार्य) अधिमान (25%)**
  - अमीर खुसरो (चयनित पाठ)
  - रूमी (चयनित पाठ)
  - हाफ़िज़ (चयनित पाठ)
  - उमर खैयाम (चयनित पाठ)
- **इकाई - 3 (निम्नांकित में से किन्हीं दो कवियों का अध्ययन अनिवार्य) अधिमान(42%)**
  - मुल्ला दाऊद (चयनित पाठ)
  - कुतबन (चयनित पाठ)
  - जायसी (चयनित पाठ)
  - मंझन (चयनित पाठ)
  - नूर मुहम्मद (चयनित पाठ)

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-20 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1
21-35 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2
21-30 (इनमें से 7 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. सूफ़ी मत : साधना और साहित्य -- रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल लि., बनारस
2. सूफ़ी मत – कन्हैया सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – श्याममनोहर पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी और फारसी सूफ़ी काव्य -- श्याममनोहर पांडेय, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
5. हिंदी और फारसी काव्य का तुलनात्मक अध्ययन – श्रीनिवास बत्रा, नागरीप्रचारिणी सभा, बनारस
6. महाकवि खुसरो - सफ़दर आह, उत्तर प्रदेश हिंदी सस्थान, लखनऊ
7. चंदायन – सं. माताप्रसाद गुप्त, प्रामाणिक प्रकाशन, आगरा
8. चंदायन के रचयिता कवि मुल्ला दाऊद -- श्याममनोहर पांडेय, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
9. मिरगावती – सं. माताप्रसाद गुप्त, प्रामाणिक प्रकाशन, आगरा
10. मिरगावती – सं. परमेश्वरीलाल गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, बनारस
11. मधुमालती – सं. माताप्रसाद गुप्त, मित्र प्रकाशन प्रा. लि., इलाहाबाद
12. जायसी : एक नयी दृष्टि - रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. मंझन - सियाराम तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
14. Fifty Poems Of Hafiz – A. J. Arberry

कोर्स-विवरण			
कोर्स का शीर्षक :- **गजानन माधव मुक्तिबोध**			
कोर्स-कोड	MAHIN4004E04	क्रेडिट	4
व्याख्यान(**L**)+ट्यूटोरियल(**T**)+प्रायोगिक(**P**)	3 + 1 + 0	कोर्स की अवधि	**एक सेमेस्टर**
सेमेस्टर	सम (चौथा)	शिक्षण-समय	45 (**व्याख्यान**) + 15 (**ट्यूटोरियल**) **घंटे**
शिक्षण-विधि	व्याख्यान, ट्यूटोरियल, स्वाध्याय, संगोष्ठी, समूह-चर्चा, कार्यशाला, क्षेत्र-कार्य, परियोजना-कार्य और विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति		
मूल्यांकन-विधि	• 30% - सतत आतंरिक मूल्यांकन • 70% - सत्रांत बाह्य परीक्षा (विश्वविद्यालय-परीक्षा)		

कोर्स का उद्देश्य -

आजादी के भारत में जिस मिश्रित अर्थव्यवस्था का चलन शुरू हुआ उसके फलस्वरूप एक ओर कृषक संस्कृति में विसंगतियाँ मौजूद रहीं वहीं दूसरी ओर महानगरों के तेजी से प्रसार के करण पूंजी का संकेन्द्रण खास वर्गों तक ही सीमित रहा | आजादी के बाद जिस समतामूलक समाज के निर्माण का स्वप्न देखा गया था वह मध्यवर्गीय आकंक्षाओं में ही उलझ कर रह गया | आजादी के बाबाँसुरी बज रही –जगदीश त्रिगुणायत, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना | द की हिंदी कविता में मुक्तिबोध का काव्य और चिंतन इन सबको उद्घाटित करता है | आधुनिक हिंदी कविता के स्वरूप एवं आलोचना के सिद्धांत के विकास में मुक्तिबोध का मौलिक योगदान है | इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी मुक्तिबोध का समग्र अध्ययन करेंगे |

अधिगम की उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी मुक्तिबोध के जीवन संघर्ष और उनके रचनात्मक व्यक्तित्व से परिचित होंगे |
- स्वतंत्र के पश्चात् निर्मित हुए मध्यवर्ग और उसकी सामाजिक संरचना एवं आकांक्षाओं से परिचित होंगे |
- आधुनिक हिंदी कविता में मुक्तिबोध के अवदान के बारे में जानकारी हासिल करेंगे |
- प्रगतिशील आन्दोलन और साहित्य के अंतर्विरोध को समझ सकेंगे |
- रचना प्रक्रिया एवं उसके सिद्धांत को समझ सकेंगे |

कोर्स की विषय-वस्तु :

इकाई - 1 मुक्तिबोध का चिंतन (अधिमान 17%)

1. मुक्तिबोध और हिंदी आलोचना |
2. मुक्तिबोध और हिंदी कविता |

3. मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया और उनका काव्य चिंतन |
4. स्वाधीन भारत की राजनीतिक परिस्थिति और मुक्तिबोध का साहित्य संसार

इकाई - 2 कविता : किसी एक का अध्ययन (अधिमान 25%)

1. चाँद का मुँह टेढ़ा है
2. भूरी-भूरी ख़ाक धूल

इकाई - 3 कथा साहित्य : किसी एक का अध्ययन (अधिमान 25%)

3. विपात्र
4. काठ का सपना

इकाई - 4 आलोचना एवं इतिहास : किन्हीं दो का अध्ययन (अधिमान 33%)

5. एक साहित्यिक की डायरी
6. नयी कविता का आत्मसंघर्ष
7. कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन
8. भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

शिक्षण-योजना :

प्रत्यक्ष-शिक्षण के घंटे	इकाई / विषय / उप-विषय
1-10 (इनमें से 2 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 1 मुक्तिबोध का चिंतन
11-25 (इनमें से 3 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 2 कविता : किसी एक का अध्ययन
26-40 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 3 कथा साहित्य : किसी एक का अध्ययन
41-60 (इनमें से 5 घंटे ट्यूटोरियल)	इकाई - 4 आलोचना एवं इतिहास : किन्हीं दो का अध्ययन

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. मुक्तिबोध रचनावली - खंड 1-5, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
2. मुक्तिबोध की कविताएँ - बिंब प्रतिबिंब, नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली |
3. नयी कविता और अस्तित्ववाद - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |

4. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
5. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
6. समकालीन काव्य यात्रा - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
7. तार सप्तक - सं. अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली |
8. मुक्तिबोध : कविता और जीवन विवेक - चंद्रकांत देवताले, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली |
9. फ़िलहाल - अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली |
10. मुक्तिबोध : एक अवधूत कविता - नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
11. महाकवि मुक्तिबोध : जुम्मा टैंक की सीढियों पर